

रजिस्ट्री सं. डी-222 IOD-1108

25-6-1974

REGISTERED No. D-222

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 5, 1974 (आश्विन 13, 1896)

No. 40]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 5, 1974 (ASVINA 13, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 अगस्त, 1974

सं. ए. 32013/2/73-प्रशा०-II—केंद्रीय मन्त्रिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री बी० के० लाल को, जिन्हें पहले 19-8-74 (अपग्रेड) से 19-9-74 (अपग्रेड) तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, अब उन्हें मंत्रिमंडल मन्त्रिवालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं. ए. 4/43/73-सी० एस० (I) दिनांक 9 अगस्त, 1974, द्वारा 15 जुलाई, 1974 के पूर्वान्तर से आगामी आदेशों तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है। श्री बी० के० लाल 15 जुलाई, 1974 में आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप मन्त्रिवाले के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहेंगे।

दिनांक 21 अगस्त 1974

सं. ए. 32014/1/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय मन्त्रिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी महायक श्री बी० गन० अरोड़ा को गण्डपति द्वारा, 15 जुलाई, 1974 से 3 अक्टूबर, 1974 तक 81 दिन की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न ग्राधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

1-266 GI/74

दिनांक 28 अगस्त, 1974

सं. ए. 32014/1/74-प्रशा०-III—इस कार्यालय की समर्थनक अधिसूचना दिनांक 28 मई, 1974 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय मन्त्रिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री गन० पी० गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा, 13 जुलाई, 1974 से 26 जुलाई, 1974 तक 2 मन्त्रालय की अतिरिक्त अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न ग्राधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 4 सितम्बर 1974

सं. ए. 32013/1/74-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय मन्त्रिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० डी० जोशी को, राष्ट्रपति द्वारा 17-6-74 से 31-7-74 तक 45 दिन की अवधि के लिये उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

श्री टी० डी० जोशी ने 1-8-74 के पूर्वान्तर से अवधि के पद का कार्यभार छोड़ दिया है। श्री टी० डी० जोशी ने अपने प्रत्यावर्तन के बाद संघ लोक सेवा आयोग में 1-8-74 के पूर्वान्तर से ग्रन्थाभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं. ए. 32014/1/73-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग

प्रधिकारी श्री पी० सी० मदान को राष्ट्रपति द्वारा, 30 जून, 1974 के अपराह्न में कार्मिक विभाग के का० जा० सं० 33/12/73—स्थापना (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अधीन, बाह्यक्य निवृति की आयु को प्राप्त होने पर सरकारी भेवा में निवृत होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 38013/2/73-प्रशा० III—कार्मिक विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-प्रशा० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुभार संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री प्र० वी० वेवेटरमन के बाह्यक्य निवृत्ति आयु प्राप्त होने के कारण राष्ट्रपति द्वारा उन्हें 30 जून, 1974 के अपराह्न में अनुभारी भेवा में निवृत होने की अनुमति सहर्ष प्रदान की जाती है।

सं० ए० 38013/3/73-प्रशा० III—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री ए० ए० ककड़ को बाह्यक्य निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर कार्मिक विभाग का जा० सं० 33/12/73-प्रशा० (क) दिनांक 24 नवम्बर 1973 की शर्तों के अनुभार 31 जुलाई, 1974 के अपराह्न में सरकारी भेवा में सेवा निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

ए० आर० भाग्यत  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### केंद्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1974

सं० 2/12/73-प्रशासन—केंद्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री शांति सागर, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को 22 अगस्त, 1974 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केंद्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० 2/24/73-प्रशासन—केंद्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री पी० डिसूजा, मुख्य अभियंता, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को 5 सितम्बर, 1974 (अप्राह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन रूप से केंद्रीय सतर्कता आयोग में मुख्य तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

वी० श्ही० दिघे

अवर सचिव

हाले केंद्रीय सतर्कता आयुक्त

#### गृह मन्त्रालय

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल  
महानिरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110003 दिनांक 9 अगस्त 1974

सं० ई० 38013(1)/2/74-प्रशा० 1—कलकत्ता से स्थानान्तरण होने पर, श्री पी० पी० सिह, आई० पी० ए० स० (विहार-

1956) ने दिनांक 1 अगस्त 1974 के अपराह्न में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पटना, की 9वी० बटालियन के कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया और श्री ए० वी० चौधरी ने उसी दिनांक के अपराह्न में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पटना, की 9वी० बटालियन के वसांटेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013(3)/13/74-प्रशा० 1—केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, को 14वी० बटालियन के महायक कमांडेट श्री वाई० ए० खाना ने दिनांक 1 अगस्त 1974 के पूर्वाह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (एर्डी थोव) के महायक कमांडेट (कानिष्ठ प्रशासन अधिकारी) पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 12 अगस्त 1974

सं० ई० 38013(3)/13/74-प्रशा० 1—केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, की नं० 8 बटालियन के सहायक कमांडेट श्री ए० सी० सूद ने दिनांक 20 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से, पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दिल्ली हवाई पत्तन, के महायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ए० ए० स० विष्ट  
महानिरीक्षक

#### समन्वय विवेशालय पुलिस बेलार

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1974

सं० ए० 38/3/71-आपरलेस—सर्वश्री ए० ए० टिकू और ए० ए० किनी को दिनांक 1 जुलाई, 74 से 31 दिसम्बर, 1974 तक की अवधि के लिये अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर बिलकुल तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है। अथवा नियमित अधिकारी के नियुक्त होने तक, वहमें से जो भी पहले हो।

छत्तीपति जोशी  
निदेशक,  
पुलिस, दूरसंचार

#### भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 सितम्बर 1974

सं० 25/2/73-प्रा० जी० (एडी०-1)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/2/73-प्रा० जी० (एडी०-1) दिनांक 13 मार्च 1974 की अनुवृत्ति द्वारा राष्ट्रपति, श्री ए० ए० कवातरा को 1 सितम्बर 1974 से आगे छः मास के लिए जनगणना कार्य उप-निदेशक, पंजाब, के पद की, पुनः नियुक्ति को महर्ष जारी करते हैं।

सं० 25/11/73-प्रा० जी० (एडी०-1)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/11/73-प्रा० जी० (एडी०-1) दिनांक 7 मई 1973 की कण्ठका 2 के शांशिक परिवर्तन के अन्तर्गत राष्ट्रपति

महर्ष विनिष्ठव्य करते हैं कि श्री अत्तर शिंह आपने सामान्य कार्य के ग्रतिरिक्त, जो कि हिमाचल प्रदेश सरकार समय-समय पर नियत करे, पदेन रूप से जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक, हिमाचल प्रदेश के पद पर, हमके अतिरिक्त श्रादेश होने तक, पूर्वाह्न 18 अप्रैल, 1973 से कार्य करेंगे।

श्रार० श्री० चारी,  
भारत के महापंजीकार  
एवं पदेन  
संयुक्त सचिव

**प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद (म० प्र०)**

होशंगाबाद, दिनांक 1974

सं० —श्री कल्याण कुमार चौधरी को 5 सितम्बर 1974 के पूर्वाह्न से सहायक अधियन्ता (यान्त्रिक) नियुक्त किया जाता है।

पी० एम० शिवराम,  
महा प्रबन्धक।

**कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व,**

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1974

स० प्रशासन 1/5-5/पदोन्नति/74-75/1496—श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभागाधिकारी श्री बी० एल० रुस्तमी को दिनांक 28-8-74 (पूर्वाह्न) से अगले श्रादेश होने तक, रु० 840-1200 के समय बेतनमान में लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त किया है।

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार  
(प्रशासन)

**भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग**

**महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा**

भुवनेश्वर, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० श्रो० श्रो० सी०-325—महालेखाकार, उड़ीसा ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी को अगले श्रादेश तक इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद उनके नाम के समक्ष उल्लिखित तिथि से नियुक्त किया है।

**रक्षा लेखा विभाग**

**कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक**

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1974

स० 40011(2)/74-प्रशा० प०—बार्धक्य निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारीयों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख में पेशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा।

क्रम स०	नाम रोम्स्टर स० महिन	ग्रेड	पेशन स्थापना की अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1. के० मुखर्जी (पी/123)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।	
2. डी० एम० एन० मूर्ति (पी/163)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई।	
3. मीरीमल बमल (पी/206)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून।	
4. के० गोबिन्दन कुट्टी नायर (पी/220)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रूप), दक्षिण मद्रास।	
5. मुण्णीराम जैन (श्रो०/291)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-75 (अपराह्न)	र० ले० नि० (वायु सेना), देहरादून।	

1. श्री ए० वेंकट रमन	11-7-74 (पूर्वाह्न)
2. श्री पदम चरण महापात्र	15-7-74 पूर्वाह्न
	बी० एम० भारद्वाज, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)।

**कार्यालय महालेखाकार उत्तर प्रदेश**

हलाहालाद, दिनांक 6 सितम्बर, 1974

स० प्रशासन-1/11-144/ XI/(II)/2670—महालेखाकार उत्तर प्रदेश (प्रथम), हलाहालाद मेरे निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के सामने अंकित तिथि से श्रादेश पर्यन्त इस कार्यालय मेरे स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है।— सर्वश्री

1. श्रार० पी० भट्टनागर	24-8-74 (प्रोफार्मा पदोन्नति)
2. जोगेन्द्र लाल चौधरी	24-8-74
3. श्यामसुन्दर दास अग्रवाल	26-8-74
4. माधव विद्याधर गोरे	27-8-74
5. जी० एम० भागिया	31-8-74
6. राम रत्न अग्रवाल	27-8-74
7. के० पी० माधुर	31-8-74
8. कैलाश चन्द्र अग्रवाल	28-8-74
9. विश्वस्थर नाथ चौबे	2-9-74
10. अचल विहारी लाल श्रीवास्तव	29-8-74
11. ब्रह्मा नन्द	30-8-74 (अपराह्न)
12. बालेश्वर प्रसाद अग्रवाल	31-8-74
13. श्रीधर विद्याधर गोरे	28-8-74
14. तारा चन्द्र श्रीवास्तव	28-8-74

य० रामचन्द्र राव  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

श्री के० गोविन्दन कुट्टी नायर को उनकी सेवा निवृत्ति से पूर्व 55 दिन की अर्जित छुट्टी तारीख 7-10-74 से 30-11-74 तक प्रवान की गई है।

एस० के० सुन्दरम्,  
रक्षा लेखा अपर महानियंवक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

वम्बई, दिनांक 7 मितम्बर 1974

सं० 18 (1)/73-सी० एन० बी०-II/ग०—कृत्रिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खंड 12 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से और वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 7 (1)/63-कंट्रोल, दिनांक 20 नवम्बर 1964 को अधिकृत करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त के मुख्यालय तथा प्रादेशिक कार्यालयों के सभी अधिकारियों को, जो सहायक निदेशक या महायक प्रवर्तन अधिकारी की श्रेणी से नीचे के न हों, उक्त आदेश के खंड 10 के अन्तर्गत वस्त्र आयुक्त को प्राप्त शक्तियों का भेरी और से प्रयोग करने का अधिकार देता हूँ।

दिनांक 7 मितम्बर 1974

सं० 18 (1)/73-सी० एन० बी०-II/बी०—वस्त्र (णक्ति-चालित कर्तव्यों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 4/1/61-कंट्रोल, दिनांक 31 जनवरी, 1961 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना के संलग्न मारणी के स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

“वस्त्र आयुक्त के मुख्यालय तथा प्रादेशिक कार्यालयों के सभी अधिकारी जो सहायक निदेशक या महायक प्रवर्तन अधिकारी की श्रेणी से नीचे के न हों”।

गौरी शंकर भार्गव,  
मंत्री वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानियंवक  
(प्रशासन शाखा-I)

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1974

सं० प्र०-1/1 (899)—महानियंवक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री एन० बी० दत्ता को दिनांक 12 अगस्त, 1974 के पूर्वान्तर से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उप महानियंवक पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (प्रेड-II) के पद पर स्थानापन्थ रूप से तदर्थे आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1 (949)/73—राष्ट्रपति, मणीन पर्यवेक्षक श्री जी० एन० चान्दना तथा वरिष्ठ आधिकारी अधिवक्ता श्री एन० एस० भसीन को दिनांक 28-3-74 व 9-8-74 में तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक क्रमशः पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, वम्बई

तथा उप महानियंवक (पूर्ति तथा निपटान) कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (सूचना पुन व्राति) (प्रेड-I) के पद पर स्थानापन्थ रूप से तदर्थे तथा अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-6/247 (43)/73—पूर्ति तथा निपटान महानियंवक के अधीन भारतीय निरीक्षण सेवा, प्रेणी-1 के प्रेड-II की इंजीनियर लाइवा में उप नियंवक निरीक्षण वम्बई श्री बी० बी० रंगनेश्वर दिनांक 31-7-74 के अपाग्रह से निवर्त्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एस० के० जोशी,  
उप नियंवक (प्रशासन)  
कृते महानियंवक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1974

सं० 3 (7)/71 (टी० पी०)/19 बी०—श्री टी० पुण्डरी-काकण्डू को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक यांत्रिक अभियंता के रूप में 350 रु० माहवार के न्यूनतम वेतन में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 6 जून, 1974 के पूर्वान्तर से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2181 (पी० सी० एम०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के श्री प्रयाग चन्द्र मण्डल, एस० एस०-सी०, वरिष्ठ तकनीकी महायक (रमायन) को इसी विभाग में सहायक रमायनक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० - 35-880-40-1000-द० रो० - 40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 3 जुलाई, 1974 के पूर्वान्तर से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (आर० एन० एम०)/19 ए०—श्री राधा नन्द मिह को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० माहवार के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में अन्य आदेश होने तक 14-6-74 के पूर्वान्तर से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (एम० के० ए०)/19 ए०—श्री सत्येन्द्र कुमार अवस्थी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में अन्य आदेश होने तक 15-7-1974 के पूर्वान्तर से नियुक्त किया जाता है।

सी० कर्णाकरन,  
महा नियंवक

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग

## महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 6 सितम्बर 1974

सं० ८०-४८९९/७१८-ए०—श्री जे० पी० शर्मा, स्थानापन्न अधिकारी, महासर्वेक्षक का कार्यालय, जिन्हे इस कार्यालय की अधिकृतता सं० ८०-४८२८/७१८-ए० दिनांक 30 अक्टूबर, 1974 के अन्तर्गत भारतीय फोटो निवाचन संस्थान, देहरादून में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (मा० के० मे० II) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, को भारतीय फोटो निवाचन संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में, श्री एच० एल० नन्दा, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, जो कि सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चले गए हैं, के स्थान पर दिनांक 5 अगस्त, 1974 से अगले आदेश दिए जाने तक स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,

महासर्वेक्षक  
(नियुक्ति प्राधिकारी)

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1974

सं० 15/7/72-मतकंता—श्री सी० एस० पिलै का विस्तार अधिकारी, परिवार नियोजन, आकाशवाणी, त्रिवेद्यम के पद से उसी केन्द्र पर महायक समाचार सम्पादक के अपने संवर्ग के पद पर परिवर्तन होने के परिणामस्वरूप उन्होंने 5 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न में विस्तार अधिकारी, परिवार नियोजन के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

हरजीत सिह,  
प्रशासन उपनिदेशक  
हते महानिदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 34-43/73-सी० एच० एस०—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ए० प्रथम ग्रेड के अधिकारी डा० टी० के० बसु ने अपने स्थानान्तरण के फलस्वरूप 31 जुलाई, 1974 को पूर्वाह्न में केन्द्रीय भरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया और पहली अगस्त, 1974 को पूर्वाह्न में सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में उसी पद का कार्यभार संभाल लिया।

जी० पंचापेक्षन,  
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 9-1/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के प्रशासन और गतकंता निदेशक ने 31 दिसम्बर, 1973 अपराह्न से कुमारी बिमला मसीह, ट्यूटर, परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली का सेवा में त्याग-पत्र स्वीकार किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल  
उप-निदेशक प्रशासन

हते प्रशासन और सतर्कता निदेशक

नई दिल्ली दिनांक

1974

सं० 27-4/73-एडमिन-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक ने श्री कृष्णलाल हीरालाल कनोजिया को 10 जून, 1974 पूर्वाह्न से राष्ट्रीय मंचागी रोग संस्थान, कालीकट के प्रादेशिक फाइलेश्या प्रणिक्षण और अनुसंधान केन्द्र में महायक कीट-विज्ञानी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री कनोजिया के महायक कीट-विज्ञानी के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एम० एम० वैण्डले ने 10 जून, 1974 पूर्वाह्न को उसी केन्द्र में महायक कीट-विज्ञानी के पद का वार्षिकार त्याग दिया।

सं० 11-3/74-एडमिन-1—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० 11-3/74-एडमिन 1 (बी०) दिनांक 15 जुलाई, 1974 के क्रम में राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी प्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पंचापेक्षन को निम्नलिखित अवधियों के लिए केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है—

(क) पहली जून, 1974 पूर्वाह्न से 18 जून, 1974 अपराह्न तक;

(ख) 20 जून, 1974 पूर्वाह्न से 2 अगस्त, 1974 अपराह्न तक।

राष्ट्रपति जी ने श्री जी० पंचापेक्षन को उपर्युक्त अवधियों के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक प्रशासन के रूप में भी नियुक्त किया है।

सं० 11-3/74-एडमिन-1 (सी०)—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० 11-3/74-एडमिन-1 (सी०) दिनांक 16 जुलाई, 1974 के क्रम में राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी प्रेड के स्थायी अधिकारी श्री कृष्ण चन्द्र मिश्र को केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में निम्नलिखित अवधियों के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है—

(क) पहली जून, 1974 पूर्वाह्न से 29 जुलाई, 1974 अपराह्न तक;

(ख) 31 जुलाई, 1974 पूर्वाह्न से 2 अगस्त, 1974 अपराह्न तक।

राष्ट्रपति जी ने श्री कृष्ण चन्द्र मिश्र को उपर्युक्त अवधियों के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

सं० 17-5/72-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री इन्डनील चक्रवर्ती को 14 नवम्बर, 1972 पूर्वाह्न से 8 मई, 1974 अपराह्न तक खाद्य अनुसंधान और मानकोवरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर तादृश प्राधार पर नियुक्त किया है।

2. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री इन्दनील चक्रवर्ती को 9 मई, 1974 पूर्वाह्नि से और आगामी आदेशों तक उसी पद पर अस्थायी आधार पर भी नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उप-निदेशक प्रशासन।

### कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विषयन और निरीक्षण निवेशालय

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक 1974

सं० एक० 74/15/72-वि०-I—हासिये में दिये गये तथा भारत के राजपत्र भाग III, खण्ड 1, दिनांक 21-7-73 के पृष्ठ 1843 से 1844 में प्रकाशित अधिसूचना के आंशिक स्पष्टात्मण में, उक्त अधिसूचना में श्री एस० पी० भसीन, सहायक विषयन अधिकारी का नाम जहा कही भी आया है, रह नमका जाय।

(सहकारिता विभाग)

सं० फा० 74/15/72-वि०-I—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमांशुलक अधिसूचना सं० (1) एस० आर० ओ० 3184 दिनांक 28 दिसम्बर, 1956 (2) 83 दि० 29 जुलाई, 1961, (3) 3752, दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 और (4) 157 दिनांक 22 जून, 1953 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, प्र० ० के० मुरालीधर राव, कृषि विषयन सलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा श्री जी० एन० धनकर, सहायक विषयन अधिकारी, विषयन और निरीक्षण निदेशालय, अधीनस्थ कार्यालय कानपुर को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से (1) चन्दन तेल, (2) मोतिया तेल, (3) निम्बूधास तेल, (4) खम तेल जो कि समय समय पर संशोधित संग्रह तेल, श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1954 के अनुसार श्रेणीकृत है और जितका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

सं० फा० 74/15/72-वि०-I—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमांशुलक अधिसूचना सं० (1) एस० आर० ओ० 3184, दिनांक 28 दिसम्बर, 1956, (2) 83, दिनांक 29 जुलाई, 1961, (3) 3752, दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 और (4) 157, दिनांक 22 जून, 1953 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, प्र० ० के० मुरालीधर राव, कृषि विषयन सलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा श्री ए० सी० गुरुन, सहायक विषयन अधिकारी, विषयन और निरीक्षण निदेशालय, अधीनस्थ कार्यालय कानपुर को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से (1) चन्दन तेल, (2) मोतिया तेल, (3) निम्बूधास तेल, (4) खम तेल जो कि समय समय पर संशोधित संग्रह तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1954 के अनुसार श्रेणीकृत हैं और जितका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

सं० फा० 3 (13) 52/74-वि०-II—वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 48, दिनांक 24 मई, 1954, सं० 173, दिनांक 29 दिसम्बर, 1954 और सं० 5 दिनांक 14 जनवरी, 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग

करते हुए मैं, एतद्वारा श्री जी० गोपाला राव, उप प्रबंध विषयन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से उन, दृढ़लोम और बकरी के बालों के लिए जिनका श्रेणीकरण क्रमशः उन श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1962, दृढ़लोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1973 और बकरी के बाल श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1962 के अनुसार किया जा चुका है तथा उनका नियर्ति उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपलब्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

### (प्रधान कार्यालय)

करीदाराद, दिनांक मितम्बर 1974

सं० फा० 4-5 (26)-74-प्र०-I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्थानियों के अनुसार श्री जे० के० भट्टाचार्य को विषयन पृष्ठ निरीक्षण निदेशालय के अधीन मंड़ाम में दिनांक 13 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्नि से उन अगले आदेश तक स्थानापन्न आधार पर विषयन विकास अधिकारी (श्रीत भण्डार-शीतलव) नियुक्त किया गया है।

प्र० ० के० मुरलीधर राव,  
कृषि विषयन सलाहकार

### भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

#### (कार्मिक प्रभाग)

वम्बई-400-085, दिनांक 24 अगस्त, 1974

सं० पी० ए०/79 (9)/74-आर०-4 :—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री नागराजन वेंकटसुब्रमण्यन, एक स्थाई गहायक कार्मिक अधिकारी को कुमारी ए० बी० विजयकर, प्रणासनिक अधिकारी 1, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 1 जून, 1974 के पूर्वाह्नि से 15 जूलाई, 1974 के अपराह्न तक स्थानापन्न प्रणासनिक अधिकारी 1 नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79 (II)/72-आर०-4 :—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां की श्रीमती रोज चेरियन, एक स्थाई आशुलिपिक (वरिष्ठ) को 19 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक के लिये अस्थाई आधार पर, इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अगस्त, 1974

सं० पी० ए०/79 (II)/72-आर०-4 :—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री वामन सखाराम दीक्षित, एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और अस्थाई सहायक को 30 मई, 1974 के पूर्वाह्नि से 18 जुलाई, 1974 के अपराह्न तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अगस्त, 1974

सं० पी० ए०/79 (9)/74-आर०-4 :—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री ० पांडुरंग सांवदीक्षित मोकाशी, एक स्थाई आशुलिपिक (वरिष्ठ) 1 मई, 1974 के पूर्वाह्नि से 24 मई, 1974 के अपराह्न तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न गहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

(पी० उन्नीकृष्णन),  
उप स्थापना अधिकारी(भ)

## परमाणु ऊर्जा विभाग

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

बाया कोटा, दिनांक 3 सितम्बर 1974

सं. आर० ८० पी० पी०/०४६२१/३/६८/६५/११८४ :—  
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के भूस्थ परियोजना इंजीनियर, महालेखा वार्डलिय, रांची (विद्युत) के लेखा अधिकारी श्री डी० के० मेन को १० अगस्त, १९७४ के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इस परियोजना में संयत स्थल (रावतभाटा) पर लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गोपाल मिह,

प्रणामन अधिकारी (स्थापना)।

## पर्यटन और नागर विभानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-३, दिनांक 10 सितम्बर, 1974

सं. ई०(१)००८९३:—वेद्यशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा श्री मन्त्र प्रसाद को भारतीय मौसम विज्ञान सेवा, श्रेणी II (केन्द्रीय सेवा, श्रेणी-II) में १ अगस्त, १९७४ के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक अस्थाई रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री मन्त्र प्रसाद, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में तैनात किये गये हैं।

नूतन दास,

मौसम विशेषज्ञ,

कृते वेद्यशालाओं के महानिदेशक

## कार्यालय, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क: भव्यप्रदेश एवं विवर्भ

नागपुर-४४०-००१, दिनांक 6 सितम्बर, 1974

प०स० II (३) १-गोप/ ७४:—श्री औकारनाथ ने, जो पिछले दिनों अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-I के पद पर बड़ीवा समाहर्ताक्षेत्र में नियुक्त थे, सहायक समाहर्ता के पद पर नियुक्त होने पर, मुख्यालय नागपुर में दि० २० जुलाई, १९७४ के पूर्वाह्न में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का पद भार सभाल लिया।

र० ना० शुक्ला,

समाहर्ता।

## समाहर्तालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग)

कोचीन-३, दिनांक 4 जुलाई, 1974

सी० सं० ११/३/११/७४:—स्था०-I :—इस समाहर्तालय के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के (वरीय श्रेणी) निरीक्षक श्री वी० के० चाको को, ६ जून, १९७४ के अपराह्न से, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II कायामकुलम एम० ओ० आर०, नियुक्त किया गया है।

जी० शंकरन्,  
समाहर्ता।केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग  
(जल स्कंध)

नई दिल्ली-२२, दिनांक 5 अगस्त, 1974

सं. क०-१९०१२/४३०/७३-प्रणालन-५ :—इस आयोग की अधिसूचना सं. क०-१९०१२/४३०/७३-प्रणालन-५ दिनांक 13 जून, 1974 के क्रम में अध्यक्ष केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

एतद्वारा श्री एम० गुहा, अनुसंधान अधिकारी(इंजी०) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान-शाला, पूना में रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१००० द०-रो०-४०-१२०० के वेतनमात्र में नियान्त अस्थाई तथा तदर्थे रूप में आगामी तीन मास दिनांक 10 जुलाई, 1974 से १० अक्टूबर, 1974 तक अथवा जब तक यह पद निर्धारित नियुक्ति द्वारा नहीं भर लिया जाता, नियुक्त करते हैं।

दिनांक सितम्बर, 1974

सं. क०-१९०१२/३९४/७४-प्रणालन-५ :—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री पी० मी० जैन, वरिष्ठ अवधारित महायक को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक (सांख्यिकी) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में पूर्णतः अस्थाई पूर्वाह्न तदर्थे रूप में रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-४०-१२०० के वेतनमात्र में ५ जून, 1974 से २ जनवरी, 1975 तक अथवा जब तक पद के स्थाई पदधारी श्री डी० पी० मिथ्र प्रतिनियुक्ति से वापस आएं और आयोग में अतिरिक्त महायक निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लें, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

श्री पी० मी० जैन, ने उपर्युक्त नियुक्ति एवं समय से प्रतिरिक्त महायक निदेशक (सांख्यिकी) का कार्यभार सम्भाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन,

अवर सचिव

कृते, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग।

## उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त, 1974

सं. १७:—उत्तर रेलवे पर रेल सुरक्षा दल सेवा (सुरक्षा विभाग) में दर्जा-II के सहायक सुरक्षा अधिकारी सर्वश्री सुखदेव सिंह बरार और हरबिलास राय (कार्यमुक्त आपाती कमीशन अधिकारी) को इस रेलवे के उसी विभाग में दर्जा-II सेवा में क्रमशः ७ मई, 1970 और १६ जुलाई, 1971 से स्थायी कर दिया गया है।

सी० एस० परमेश्वरन्,  
महाप्रबन्धक।

## कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पेरामाउन्ट रेलवे के

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 7 सितम्बर, 1974

सं. २४६९२/५६०(३):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० के उपधारा(३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवधारण पर पेरामाउन्ट रेलवे का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एजेन्सी एडवरस्ट्राइंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 7 मितम्बर, 1974

सं. २३७१४/५६०(३):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० के उपधारा(३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से

तीन माह के अवसान पर प्रेजेसी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जायगी।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रेहाउन्ड ट्रांसपोर्ट क०**

आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 27608/560 (3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर प्रेहाउन्ड ट्रांसपोर्ट क० आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और किसान मिल्स फरटिलाईजर**

**प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 26705/560 (3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर किसान मिल्स फरटिलाईजर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और मनमहन आयल मिल्स**

**प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 23603/560 (3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मनमहन आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और गुलाबराय काशीनाथ**

**प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 22097/560 (3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर गुलाबराय काशीनाथ प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति कल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और चिलुराईट कनस्ट्रक्शन्स**

**प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 27413/560 (3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन महीने के अवसान पर चिलुराईट कनस्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और पेपर स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 13804/560 (3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण ने एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर पेपर स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम

इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और एभारेस्ट साईन**

**कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 21820/560 (3)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रत्यन्तरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर प्रेहाउन्ड ट्रांसपोर्ट क० आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

एन० आर० मर्कार, कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल

**कम्पनी अधिनियम 1956 और नरोत्तमदास मगनलाल एपीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

अहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1974

सं० 560/410---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, नरोत्तमदास मगनलाल एपीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गयी है।

जे० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात, अहमदाबाद

**कम्पनी अधिनियम 1956 और तिरहुत फाईनेंसिंस कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

पटना, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 6 (677) 73-74/2714---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रत्यन्तरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तिरहुत फाईनेंसिंस कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और रांची टेक्स्टार्ट्स मिल्स लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में**

पटना, दिनांक 9 सितम्बर 1974

सं० 2(214) 74-75/2790---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रत्यन्तरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रांची टेक्स्टार्ट्स मिल्स लिमिटेड इन लिक्वीडेशन का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और छोटानागपुर प्लास्टिक्स**

**प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

पटना, दिनांक 9 सितम्बर 1974

सं० 1(884) 74-75/2770---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रत्यन्तरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि छोटा नागपुर प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल, कम्पनियों के निबंधक, बिहार

प्रस्तुप आई० दी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश म० मि० आर० 62/2076/73-74 ए० मी० क्य०  
(बी०)---यतः, मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) बैंगलूरु, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 27 पुराना न० 20, कब्बन रोड, मिविल प्टेशन, बैंगलूरु-१ में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शान्ती-नगर, बैंगलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-1-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती (1) मण्यम रेगम रजा उर्फ बीबी मझाला (2) शहजादा रेगम जुशतरी "मादात गार्डन्स" न० 13, आगा अब्दुल्ला रोड, बैंगलूरु-२५। (अन्तरक)

2. श्रीमान युह निरमाला मद्कारा गगा निमिट्टे, 30/। वानी विलास रोड, बैंगलूरु-४। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वी नारायण । 45 दिन की अवधि या तमस्वरमधी व्यक्तिया पर सूचना वी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में लिए गए आक्षण्प१, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और इथान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेष किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गत को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैश के अधीन सूचना दी गई है, आक्षण्प० की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

### अनुसंधान

स्थावर सम्पत्ति न० 27 पुराना न० 20, कब्बन रोड, मिविल प्टेशन, बैंगलूरु, (हमारते मेन) दस्तावेज न० 3618/25-1-1974 सीमा।

पूर्व : न० 21, कब्बन रोड—190 फीट

पश्चिम : कम सर्वोत्तम राव की सम्पत्ति—190 फीट

उत्तर : न० 34, इनफ्यान्टी रोड, 98 फीट

दक्षिण : कब्बन रोड—88 फीट

दस्तावेज न० 3618/ना 25-1-1974।

आर० कृष्णमूर्ति,  
गदाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूरु।

तारीख : 28-8-1974।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज्ज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 28 अगस्त 1974

निदेश सं० सि०आर० 62/2100/73-74/ए०सी०क्य० (बी०)---

यतः मुझे, आर० क्षुण्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और

जिसकी सं० 154, 155, 156 और 157 है जो चिकबाजार रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-1-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० एन० शनकर पुत्र वी० एस० नटराजन नं० 6, ब्रनटन रोड, बंगलूर-25। (अन्तरक)

2. कुमारी टी० एम० शिवशनकरी पुत्री श्री टी० एन० मानिक्यवेल नं० 37, नेहरू सर्कल, नेहरू नगर, बैंगलूर-29 (अन्तरिती)

3. (1) श्री पी० गोपालन नायर, (2) श्री आर० बी० सन्यासी, (3) श्री अनंतुल फजल (4) श्री एस० कौ० दत्ता। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयी शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थावरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 154, 155, 156 और 157, चिकबाजार रोड, बंगलूर (6, 7 और 7ए मोडी मस्जिद रोड मिलिएशन-पुराना नं० 1, चिकबाजार रोड)।

जगह का क्षेत्रफल 4416 वर्ग फीट

मेल्लर फ्लोर: 3.20 स्कवयरस

ग्राउन्ड फ्लोर: 24.44 स्कवयरस

1 फ्लोर: 22.66 स्कवयरस

सीमा :

उत्तर : मोडी मस्जिद रोड। दक्षिण : चिकबाजार रोड, पूर्व : मूलिया नायडू की सम्पत्ति पश्चिम : क्वीन्स रोड

दस्तावेज नं० 3517/18-1-74

आर० क्षुण्णमूर्ति,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज्ज, बंगलूर।

तारीख : 28-8-74।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्वेश सं० 142/ए० सी० क्य०-23-208/6-1/74-75—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मर्वे नं० 525 प्लाट नं० 10 पर खुली जमीन है, जो सम्पत्ति राव कालोनी के पास, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लॉज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग ड्रेसी मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित समाजी गंज, बड़ौदा।  
(अन्तरक)

(2) श्री प्रद्युमन कुमार जंठालाल द्वामानी 3, गंतव्य नगर, रेस कोर्स संकल, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के सिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मर्वे नं० 525 में से प्लाट नं० 10 पर खुली जमीन (जिसका क्षेत्रफल 5166 वर्ग फुट है और जो सम्पत्तराव कालोनी के पास, रेस कोर्स रोड बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के जनवरी 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 317 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद।

तारीख : 28 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रलग श्राई० ट्रो० एन० एम० —  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) ग अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निदेश मं० 143/ए० सी० कृ० 23-209/6-1/74-75—  
यतः भुव्रे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० सर्वे नं० 525 प्लाट नं० 11 पर खुली जमीन है, जो सम्पत्तराव कालोनी, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (आप हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वाम्नविक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में वामी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

आप यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए शार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) नाज टायरेल नीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजर ट्रूस्टी मनुभाई डाह्यभाई पुरोहित मयानी गंज, बड़ौदा।  
(अन्तरक)

(2) श्री हेमन्त गोर्धनभाई पटेल गोर्धनभाई हाथीभा ई पटेल द्वारा दिनेश मिल्स लि० पादरा रोड, बड़ौदा।  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पर्व नं० 525, प्लाट नं० 11 पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 5166 है और जो सम्पत्तराव कालोनी के पास, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी बड़ौदा के जनवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 315 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख 28 अगस्त 1974

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं 145/ए० सी० क्य० 23—211/6—2/  
74-75-यन०, मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 23,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी  
सं० सर्वेनं० 525, प्लाट नं० 13 पर खुली जमीन है,  
जो सम्पत्तराव कालोनी के पास, रेस कोर्स रोड, बड़ीदा में स्थित है  
(और इससे उपावढ़ ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ीदा में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
29-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख  
के अनुमार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियां) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने  
के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. लॉज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग  
ट्रस्टी मनुभाई डाक्ष, भाई पुरोहित, वकील मथाजी गंज,  
बड़ीदा। (अन्तरक)

2. श्रीमती चंचल बेन, ग्रन्टवालाल पटेल,  
लोखन्ड बाला विलिंग,  
प्रताप नगर, बड़ीदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वा-  
रा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभायित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भर्त नं० 525, प्लाट नं० 13 पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल  
5048 वर्ग फुट है और जो सम्पत्तराव कालोनी, रेस कोर्स रोड,  
बड़ीदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ीदा के  
जनवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 313 में प्रवर्णित है।

पी० एन० मित्तल

मक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, अहमदाबाद।

तारीख : 28 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 28 अगस्त 1974

निदेश सं० 148/ए०सी०क्य०-23-214/6-1/74-75—  
यतः मुझे पी० एन० मित्तल सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे  
नं० 525 प्लाट नं० 16 पर खुली जमीन है, जो सम्पत्तराव  
कालोनी के पास, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरण के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचाने  
के लिए गुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था  
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लॉज टायरेल नीथ मं० 43 की ओरसे उसके मैनेजिंग ट्रस्टी०  
मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित,  
सयाजी गंज, बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. मोहनलाल काशीभाई पटेल,  
सरदार भवन के पास,  
जुबली बाग, बड़ौदा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बावध  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताधरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किये जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 525, प्लाट नं० 16, पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल  
4836 वर्ग गज है और जो सम्पत्तराव कालोनी के पास, रेस कोर्स रोड,  
बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा में  
जनवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 319 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-8-1974  
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश मं० 147/ए०सी० क्यु० 23-213/6-1/74-75—

मत: मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 525, प्लाट न० 15 पर खुली जमीन है, जो सम्पत्तराव कालोनी, के पास, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा से रित्थ है (और इससे उपावड़ अनुसूची में प्राप्त पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरु़ करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब आयकर 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लॉज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग ट्रस्टी मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित, सयाजी गंज, बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रकान्त सन्येन्द्र प्रसाद, मैलेश चन्द्र कान्त नगर घोट, प्रताप रोड, गावपुरा, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सर्वे नं० 525 में से प्लाट नं० 15 पर खुली जमीन जिसका धेतरफल 5084 वर्ग फुट है और जो सम्पत्तराव कालोनी, के पास, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा पर स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के जनवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 311 में प्रशंसित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-8-1974

मोहर :

प्रस्तुप आर्इ० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बंगलूर, दिनांक: 22 अगस्त 1974

मं० मि० आर० 62/2027/73-74 एक्य०(बी०):—  
यतः मुझे, आर० कृष्णमृति, आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और श्रौर जिमकी मं० 9 है, जो 19 काग, मल्लेश्वरम्, बैंगलूर-3 में स्थित है (श्रौर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, बैंगलूर-10 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-1-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित विए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० वी० एन० आचार्य, सपुत्र स्व० जी० श्रीनिवास मृति नं० 1028, 5 ब्लाक, राजाजीनगर बैंगलूर-10। (अन्तरक)

2. श्री बी० पी० श्रीधर सपुत्र बी० प० पार्थमारथी अय्यन-गर नं० 8, 19 छाम रोड़, मल्लेश्वरम्, बैंगलूर-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने गेसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कार्पोरेशन नं० 9 (मुनिसिपल नं० 29/580 पुराना)  
19 छाम, मल्लेश्वरम्, बैंगलूर-3  
सैट की सीमा 6825 वर्ग फीट  
पूर्व पश्चिम 65 फीट है }  
उत्तर दक्षिण 105 फीट }  
दक्षिण उत्तर दक्षिण सीमा

दस्तावेज नं० 3944/2-1-174।

आर० कृष्णमृति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक: 22-8-1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) का कार्यालय  
 अर्जन रेंज, लखनऊ  
 लखनऊ, दिनांक 4 मित्तम्बर 1974

निदेश सं० 34-एस०/अर्जन—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० — है जो ग्रमीनाबाद, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सईदुननिसा और अन्य  
 (अन्तरक)
2. श्री मुणील कुमार और अन्य  
 (अन्तरिती)

3. श्री मुगना मल

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता दो मणिला मकान जिसका माप  $5.5 \times 15$  है और जो ग्रमीनाबाद, लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-9-74

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मितम्बर 1974

मं० निर्देश मं० 9/5/75/73-74—यतः, मझे के० वि० राजन आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० 254/256-एन० एग० सी० बोम रोड, मद्रास-1 है, जो मे॒ स्थित है (श्रौं इसमे॒ उपाबद्ध अनुसूचा मे॒ और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सौकारपेट मे॒ भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित को गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे॒ वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय का बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे॒ पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे॒, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ वी उपथाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एतिमा बाइ जफार शनि रहिम (अन्तरक)

(2) श्री ए० एन० कुप्पुर्वामि शोट्टि, पार्क टाउन, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधोप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय निखित मे॒ किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त र मे॒ किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे॒ यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास-1 एन० एग० मी० बोम रोड, 254/256 मे॒ 1645 स्कायर फीट का एक मकान जिसका आरा० एस० म० 11029।

के० वि० राजन  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बैगलौर

तारीख : 2-9-1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, तारीख 2 मितम्बर, 1974

निर्देश सं० अर्जन इ० सं० 3/425/74-75—यतः, मुझे आर० जी० नेरुरकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० प्लाटम 162 मवे मं० 161 है, जो गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

थतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मंसर्स लक्ष्मी प्रम्बे मटोम प्रोडक्ट्स लि०,

श्रीनिवास हाऊस, बौड्वाय रोड,

फोर्ट, बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री श्याम सुन्दर कामाट,

केंद्र आफ आंध्र प्रदेश पेपर मिल्स लि०

श्रीनिवास हाऊस,

(अन्तरिती)

एच० सौमानी मार्ग, बम्बई।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लाट क्र० 162 गांव पहाड़ी गोरेगांव (पश्चिम) तालुका बोरीवली, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बांद्रा, जिला बम्बई उपनगर अभी वृहत्सर बम्बई में स्थित मौजूद और पड़ा हुआ है जिसका सदरक्षण नं० 161 (अंश) और माप में 950 वर्गगज समकक्ष 794:32 वर्गमीटर है और इस प्रकार धिग हुआ है अर्थात् पश्चिम की ओर से प्लाट नं० 172 द्वारा, पूर्व की ओर से 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा, उत्तर की ओर में अंशतः प्लाट नं० 163 द्वारा और दक्षिण की ओर से 60 फीट चौड़े महात्मा गांधी रोड द्वारा।

आर० जी० नेरुरकर

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 2-9-74

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मितम्बर 1974

निर्देश स० अर्जन ई० स० 3/412/74-75—यत, मुझे श्री आर० जी० नेहरुकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लाट स० 177, सर्वे स० है, जो गोरे गाव (पश्चिम) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्तर्गत सूचना में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पापा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर भेजे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बधने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 मैसर्म लक्ष्मी अम्बेसटोम प्राडवटस लि०

श्रीनिवास हाऊस,

चौथी मजील हुजारीमल सोमानी मार्ग

फार्ट बम्बई क्र-1

2 श्री गोविन्ददास गगादास मोहता

75/79 श्रोन्ड हनुमान लेन बम्बई न० 2

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैंग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट स० 177, सर्वेक्षण स० 161, एम० जी० गोड, बान्धुर नगर गोरिगाव (पश्चिम) बम्बई 62। जो माप में 1360 वर्गगज है।

आर० जी० नेहरुकर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3 बम्बई।

तारीख 2-9-74  
मोहर

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 बम्बई।

बम्बई, दिनांक 2 सितम्बर 1974

निर्देश मं० आई० 2/958/1998/74-75—यतः, वि० २० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० २३० हि० नं० ४, ६४० ६ ब० और २० सी० बी० सं० न० १२० सं० नं० २३०, हि० ५४०, और ५५०, और सीटी सं० १२० है, जो जुहू गवर्मेंट स्थित है (और इससे उपर बढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-1-74 को

पर्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चन्द्रावाई गा० बी० नाथर (अन्तरक)  
2. दि० इन्टरनेशनल सोसाएटी फार कृष्णा कान्यासनेस (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की

तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पथाप्रिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रथम : वे सभी टुकड़े या कुशि भूमि का भाग जो माप में करीबन 14:352 वर्गगज समकक्ष 12056 वर्गमीटर या आसपास माप में द्विमात्र या बंहा पर बने संरचनाएँ जिसका सर्वेक्षण नं० 2 पाँड हिस्सा नं० 4, 6 ए०, 6 बी० और 20 सर्वेक्षण नं० 120 गांव जुहू रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर बृहत्तर वम्बई में हैं और पश्चिम में अंग गोड के द्वारा और अंगतः सर्वेक्षण न० 2ए०, हिस्सा न० 5ए० और 5 बी०, पूर्व में खाड़ी (सर्वेक्षण न० 70ए०) द्वारा उत्तर में सर्वेक्षण न० 3, सर्वेक्षण न० 2ए०, हिस्सा न० 7बी० 7ए० और सर्वेक्षण न० 3 बी० और 3ए० द्वारा और दक्षिण में सर्वेक्षण न० 2ए०, हिस्सा न० 2 और 3 और साथ में मंलग्न प्लान में खींची गयी और चिन्हित नाल रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरी हुई और म्युनिसिपल कारपोरेशन बृहत्तर बम्बई द्वारा 'के' वाड़ न० 10099-आर० 273, के०-10161 (13) के-10162 (1 से 3) और के 10163 (1 से 3 तक) के अन्तर्गत निर्धारित हैं, द्वारा घिरा हुआ है।

द्वितीय : वे सभी टुकड़े या जमीन का भाग माप में करीबन 5657 वर्गगज समकक्ष 752 वर्गमीटर या आसपास जिसका सर्वेक्षण न० 2ए०, हिस्सा न० 5ए० और 5 बी० और सिटी सर्वेक्षण न० 120, गांव जुहू, रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर, बृहत्तर वम्बई में हैं और पश्चिम में रोड द्वारा, पूर्व में सर्वेक्षण न० 2ए०, हिस्सा न० 4, 6ए० और 6 बी० द्वारा, अन्तर में सर्वेक्षण न० 2ए०, हिस्सा न० 2 सी० और दक्षिण में सर्वेक्षण न० 2ए०, हिस्सा न० 3 और मंलग्न प्लान में खींची गई और हरे रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरी हुई और बृहत्तर बम्बई म्युनिसिपल कारपोरेशन, बृहत्तर बम्बई, द्वारा के वाड़ न० 10163 (5), के०-10100 (2) के-10100 (1) और के० 10160 के अन्तर्गत निर्धारित हैं द्वारा घिरा हुआ है।

वि० २० गप्ते

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 2-9-1974। सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर : अर्जन रेंज-2 बम्बई।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मितम्बर 1974

निर्देश मं० अर्जन ड० सं० 3/456/74-75—यतः मुझे श्री आर० जी० नेहरुकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-पये से अधिक है और जिसकी सर्वे मं० 24, हिस्सा सं० 7 है, जो मालाड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मध्य-रजिस्ट्रार का कार्यालय बांद्रा बम्बई।

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-1-74

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोतीभाई नेरेन भाई पटेल,  
अलका भावें रोड,  
मालाड (प०) बम्बई-64  
(अन्तरक)

2. पारम बिल्डर्स,  
1/14 अ०, हरहरवाला बिल्डिंग प्र०  
वी० पी० रोड, बम्बई-4।  
(अन्तरिती)

3. श्रीमती विमलाबेन के० पटेल,  
भूदास केमिकल, मोती उद्योग,  
गमचन्द नेन, मालाड, बम्बई-64। (वह अक्षित जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वे सभी टुकड़े या परती जमीन का भाग या जमीन जिसका सर्वेक्षण नं० 24, हिस्सा नं० 7 (श्रंश) प्लाट नं० 13 बी० मोती उद्योग नगर का एक भाग जिसका नया सी० पी० एस० नं० 348 श्रंश जो गांव बालनै (मालाड), बृहस्पत बम्बई, रजिस्ट्रेशन उपजिला बांद्रा, तालुका बोरीबली जिला बम्बई उपनगर अभी बृहस्पत बम्बई में स्थित और मॉजूद है माप में कुलक्षेत्र 765 वर्गमीटर का अधिकार है और मॉजूद है माप में कुलक्षेत्र 639.64 वर्गमीटर या आसपास है और इस प्रकार किस हुआ है अर्थात् अन्तर की ओर से सर्वेक्षण क्र० 24 हिस्सा क्र०-5 की जायदाद द्वारा दक्षिण की ओर से रोड द्वारा, पूर्व की ओर से सर्वेक्षण क्र०-24 हिस्सा क्र०-7 द्वारा और पश्चिम की ओर से सर्वेक्षण क्र०-24 हिस्सा क्र०-7 (श्रंश) द्वारा।

एन० जी० नेहरुकर,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, बम्बई।

तारीख : 2 मितम्बर, 1974  
मोहर .

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं० सी० ए० 5/कल्यान/जान-74/133/74-75—  
यतः, मुझे जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 113, प्लाट नं० 5 है जो मैंने डोविवली डोविवली, जिला ठाना, मे० स्थित है (और इसमे० उपावड़ अनुसूची मे० आंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल्यान मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 जनवरी, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उत्तर अन्तरण लिखित मे० वारतविक्षण से विधित नही० किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही० किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे० पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाही शुरू करने के कारण मे० द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे०, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री विट्ठल गोविन्द कानिटकर,  
मार्फत डा० आर० व्ही० कानिटकर,  
ग्रन्ट पार्सन्स एवं स्प्रिंग, जिला रत्नागिरी । (अन्तरक)

2. श्री श्रीकान्त मनोहर भांडारकर  
रविप्रभा, ग्रास्त्रीनगर, डोविवली (बेस्ट),  
जिला ठाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मैंने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 113, प्लाट नं० 5 मैंने डोविवली में।

वर जो 1965 में बांधा है। मिशन पहला मंजल।

विलट अप क्षेत्र :— 476 वर्ग यार्ड्स

कुल क्षेत्र : 2327 वर्ग यार्ड्स

जी० कृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 28-8-1974।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54 राफि अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ८० सी०-९५/आर०-IV/कल०/७४-७५--

यत्, मुझे जार्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सूचा होल्डी सं० 74 है, जो माटपाड़ा म्युनिसिपलिटी, 24 परगना में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एप्पोरेटर्स, कनकना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-1-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिवित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-प के अनुसरण में मेरे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 शिन्दुस्थान बायर एण्ड मेटल प्रोडक्ट्स लिमिटेड, जिकको हाउम, 1 और 2 हेयर स्ट्रीट कलकत्ता-1
2. दि नेशनल इन्डियन लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप दिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कारखाना प्रेमिसेम और जमीन परिमान लगभग 4 बिधा 19 कट्टा 3 छटाक 22 रक्केयर फिट, होल्डी सं० 74 भाटपाड़ा र्यनिमिपलिटी, 24 परगना, कारखाना मेडन, खाली जमीन और मणिनरी, हम्नांतरण कि दलील में और विस्तृत रूप में वर्णित।

जार्ज वर्गिस

मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 31-8-1974

मोहर :—

प्रख्य प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 27 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० सी०-९४/कल०/आर०-IV /74-75—  
यतः, मुझे जारी वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी डाग सं० 38, 146, 41, 70, 88, 89 है जो भाटरा, बारासत में स्थित है और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार बारासत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

4-266GI/74

- श्री अनिमेश चन्द्र चक्रवर्ति, पिता-मत प्रबोध चन्द्र चक्रवर्ति, पता—भाटरा रमेश पल्ली, बारासत (अन्तरक)
- श्री अमुलय चन्द्र पाल, श्री गोपी नाथ पाल, श्री बादल कुमार पाल, श्री अमलेन्द्र पाल
- सबका पता—भाटरा पल्ली, बारासत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाटरा, बारासत में डाग सं० 38, 146, 41, 70, 88, 89 के 8½ डेसिमल जमीन और उस पर मकान जैसे के अन्तरन के दलील में वर्णित।

जारी वर्गिस  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख :— 27-8-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश सं० 887/73-74—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी ज्लाट सं० 1, अड्यार ब्रिज रोड, मद्रास-28  
है, जो मैलापुर, में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री एम० के० हंबिल्ला और एम० एम० कार्मि  
विस्वनाथन, मद्रास-28

(2) श्री के० पुरुषोत्तमन, मद्रास अलुमिनियम निमिट्ट  
मेट्टुर, मेलम जिला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद्य  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-28 अड्यार ब्रिज रोड, ज्लाट सं०-1 में 3 ग्राउण्ड  
और 27 स्क्वेयर फीट की खाली भूमि जिसकी आर० एम०  
सं० 4274/1 है।

ए० रागवेन्द्र राव  
सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 30-8-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर:

अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश सं० 1107/74-75—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 2, आर० एस० सं० 4274/1 मैलापुर, मद्रास है जो मैलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अमूल्यार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर आधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर आधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० के० हृषिकेश और श्री एस० एस० कासि विस्वनाथन, मद्रास-28।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० विं ननि, 24, माड चर्च रोड, सान्तोम, मद्रास-28।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एल० ए० 37/1966 में प्लाट सं० 2 में खाली भूमि (2 ग्राउन्ड और 2398 स्केयर फीट) जिसकी आर० एस० सं० 4274/1, मैलापुर, मद्रास।

ए० रागवेन्द्र राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II मद्रास

दिनांक : 30-8-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निवेदण सं० एएसआर०/बटाला/ए० पी०-1129/74-75—यतः  
मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5150 जनवरी, 1974 में लिखा है, जो साउथ ईस्ट गांव फैजपुर में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में आगे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री नव्या सिंह पुत्र श्री फूला मल गाव फैजपुर त० बटाला। (अन्तरक)

2. श्री कस्तुरी लाल, सुखदेव कुमार पुत्र श्री सुदर दाम अग्रवाल पुत्र श्री बंसी लाल मार्पत मंसार ईंजिनियरिंग कम्पनी, अलीबाल रोड, बटाला। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानमा है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हूचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और रथान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5150 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बटाला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त, 1974  
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० एा०सआर०/जालंधर/ एपी-1130/74-75—यतः  
मुझ, दी० एस० गुप्ता [आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख  
नं० 8659 जनवरी, 1974 में लिखा है, जो ज्वाल. नं० 30 शहीद  
उद्धम सिंह नगर जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) अधीन जनवरी, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या द्वन्द्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रोशन सिंह पुत्र श्री बचित्र सिंह, मोहल्ला सूरज गंज,  
जालंधर (अन्तकर)

(2) डा० रामपाल पुत्र शाम सुंदर, 304 लाजपत नगर, जालंधर  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृतसूची

ज्वाल. सं० 30, शहीद उद्धम सिंह नगर जालंधर जैसाकि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8659 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डॉ० एम० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 31-8-1974

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निकेश सं० अमृतसर/जालन्धर/एम-पी० 1131/74-75—  
यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8609 जनवरी 1974 में लिखा है जो प्लाट नं० 55 शहीद ऊधम सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है, (श्री इससे उपावद्ध अशुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तररक) अन्तरिती (अन्तरितीयों) के भीतर तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपर्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रोशन सिंह पुन श्री वचित्रर सिंह, डल्ल्यू० एम० सूरज गंज, जालन्धर। (अन्तररक)

2. श्री सेवा सिंह चड्हा पुन श्री जगत सिंह गांव चौगीटी त० जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हितवद्ध हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई होतो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के ममय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 55, शहीद ऊधम सिंह नगर, जालन्धर, जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8609, जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आक्षय आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

दिनांक 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्रह्लाद आर्द्ध० टी० एन० एस० . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर  
अमृतसर दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश मं० ए० इम० आर०/जालंधर/1132/74-75—यतः  
मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2003, जनवरी 1974 को लिखा है जो गाव दीगावाली न० फाजिलका में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरा राम पुत्र श्री केसरा राम पुत्र श्री शोभा राम वासी दीगावाली त० फाजिलका माफंत श्री जगदीश पुत्र श्री राम वासी वोधीवाला पीठा त० फाजिलका।  
(अन्तरक)

2. श्री हरी राम पुत्र श्री मरदारा राम पुत्र श्री जोग राम वासी दीगावाली त० फाजिलका (अन्तरिती)

3. जैमा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में हस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्विच रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।  
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2003 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आक्यर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

दिनांक 31 अगस्त 1974।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश स० अमृतसर/अबोहर/ एपी-1133/74-75—यतः  
मुझ डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2004 जनवरी 1974 लिखा है, जो गांव ढीग वाली त० फाजिल्का में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय अबोहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्चव्यंति अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित माही किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन करदेने के अन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यसः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः ग्रन्थ धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

(1) लीलू राम पुत्र आसा राम वासी गांव ढीगवाली त० फाजिल्का मार्फत श्री जगदीश पुत्र श्री राम वासी वीरधिवाला पीटा त० फाजिल्का।  
(अन्तरक)

(2) श्री सोपात राम पुत्र श्री सरदारा राम पुत्र श्री जग राम वासी ढीगवाली त० फाजिल्का  
(अन्तरित)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हू० (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एकद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रजीन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2004 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, अबोहर में लिखा है।

दी० एस० गुप्ता,  
मकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निवेद स० अमृतसर/अबोहर/गपी-1134/74-75—यतः  
मुझे डी० एग० गुप्ता आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2004  
और 2076 जनवरी 1974 लिखा है, जो गंव दीगावाली त०  
फाजिलका मे० स्थित है (और इसमे० उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय अबोहर  
मे० भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे०  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के  
लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए गुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तीरु गम पुन श्री नामा नाम नामी गा० दीगावाली  
फाजिलका माफें त्रा० जगदीप पुव श्री राम वारी वोर्वा० वाला  
पीठा त० फाजिलका। (अन्तर्गत)

(2) श्री मोपान राम और खियाली० राम पुव श्री मरदारा  
राम पुन श्री जग राम वारी गाव दीगावाली त० फाजिलका

(3) जैमा किन० २ पर है (वह बर्कत जिसके प्रधिभूमि मे०  
अधोहस्ताक्षरी जाना है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे० स्वच रखता है (वह व्यक्ति  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जाना है) कि वह सम्पत्ति मे० हितवद  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया० शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे०  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित मे० किये जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क मे० यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय मे० दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2004 और 2076  
जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अबोहर मे० लिखा है।

डी० एग० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्रस्तुता आई० टी० ५८० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (नियोजन)

अर्जन रेंज

अमृतसर, तारीख 31 अगस्त 1974

निकेश मं० अमृतसर/ अबोहर/ पी-1135/74-75—यतः  
मं० डी० एम० गुप्ता : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिस की मं० धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 2051 जनवरी 1974 लिखा है जो गांव सुखचैन में रिथत है (श्रीरामसे उपाधि अनुसूची में श्रीराम पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अबोहर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रन्थीन दिनांक जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल नियन्त्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियंत्रित ये तार्तादिक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में दूर्दि किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्ता बनने या उससे बचने के लिए सुवर्ण बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आमितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण गेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री योगेन्द्र वृत्तिश शिव कर्ण पुत्र श्री भजन भाल पुत्र चंग तासी गाव सुखचैन त० फाजिलका (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री चेतन पुत्र श्री दया राम वासी मुद्रणेन त० फाजिलका (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसका सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभापित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 2051 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अवांहन में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त नियोजन  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974  
गोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश स ० अमृतसर /अबोहर/एपी-1136/74-75—यह मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर गम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स ० धर्मी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विनाय न० 2052 जनवरी 1974 तिथा है, जो गाव सींगे से रिथन है आर इसे उपावद्र अनुमूल्य से श्रीग पुरुष से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय अबोहर म भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1971 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बास के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि विधाय-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रदिशत इक्षिद है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितिया) बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वार्तविक स्पष्ट से बताता है। किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वी नामत भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) दे देने के अन्तरक के दायित्व मे नमी दर्शन या उससे बचने के लिए सुनहर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आर्थितो को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुनहर बनाना;

और यत. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनियित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ, के अनुग्रह मे, मे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्मार्गित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री सोहन लाल पुत्र श्री चंतन लाल पुत्र श्री दया राम वासी सुखचंन त० फाजिका (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पारी विश्वा श्री भजन लाल पुत्र श्री खेतन राम वासी सुखचंन त० फाजिका (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है
- (4) काई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रचन रखता है (वह व्यक्ति जिस के बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तां—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्तम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भातर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति दर सूचना के उत्तर मे लिए गए आक्षेपी, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत लिया जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

रघटीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभापित है, वही शर्त होगा, जो उम अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विनाय न० 2052 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीवर्ती विधिकारी अबोहर से तिखा है।

डी० एम० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त 1974  
मोटर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निरेश सं० अमृतसर/मुक्तसर/ए०षी-1137/74-75— यतः  
मुझे डी० एस० गुप्ता : आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269व के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
की रामधनी जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 3357  
जनवरी 1974 लिखा है, जो गांव चारेवां से स्थित है (और इससे  
उगावद्र अनुमूल्य से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर से भागीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
वा उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-  
रेकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू फरने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यनियों, अर्थात् :—

(1) श्री गज्जन सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह प्रौर हरनसर  
कौर, तेजो पुन्नीय श्री ठाकुर सिंह वासी चारेवा  
(अन्तरक)

(2) श्री बोहड़ सिंह, पीपल सिंह, बलविंदर सिंह पुत्र श्री  
जग सिंह वासी चारेवा त० मुक्तसर (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० २ पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में प्रधोहस्ताधरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताधरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्र है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीर्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3357 जनवरी  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में निया है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त 2974

मोहर :

ਪ੍ਰਭਾ ਵਾਹਿ ਦੀ ਪਿਨ ਪਿਨ—

आयवर अधिनियम 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-व (1) के अधीन ग्रन्ति

भारित ग्रंथ ११८

## कार्यालय संगठन प्रायोगिक शास्त्रवृत्त (निरीक्षण)

માટે જીવન, નાગીય । ૧૫૫૧

निदेश म ० शपतम् सुकृतम्/। १ । ११२/७४-७५-यत्, मुझे डी० पम० गुप्ता श्रावण अप्रिल १९६१, १९ । (१९६१ का ४३) की धारा ३६९-ये जैदीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है जो स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है आगे तिन की १०% तक देता है जिसकी वृद्धि विवरण नं ३३५६ जनवरी १९७१ दिनांक द्वारा मार्गित है (आंग डगमे उपाय अनुरूपी १०% पूर्ण २५ रुपया) रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी, दार्या नामक जलालू में भारतीय रजिस्ट्रेशन अप्रिल १९०८ (१९०८ का १६) वे अधीन दिनांक जनवरी १९७१ को को पूर्वोक्त रामपति के उचित बाजार मूल्य ए कम के दृष्यमान प्रतिफल के तिप गजरी, तथा विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम्हें दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरा (जनतारा) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तरफ़ ५०% तक अन्तरा के तिर प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरा विभिन्न वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अधीन कर देने के अन्तरण से वायरल में किसी कर्जे या उससे व्यवस्था के लिए रुकर बनाना, जौरा।

(घ) ऐसा निरांतर या किसी धन दा अन्य भास्तुयों को, जिदूँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 41) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ अत्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ओर मन आयन कर आधार दिया, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के बाबत मध्येक्षत सम्पत्ति के अर्जन का लिए वायेवाही शूल करने के वारण मरे द्वारा अस्तित्वित किए गए हैं।

अतः, जब, धारा 269 घ का अनुग्रहण म, र्म, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का पारा 269 मर्म का उदाहरण (1) के अधीन गिराविधि। अंतिमो, वर्णत —

- (1) श्री गज्जन सिंह पुत्र ११८२ मिह तरसास कार्य तेजो पुरिया श्री आडुर मिह पुत्र स० दोदार सिह वामी चारेवा त० मृत्युनग् (अन्तर्गत) ।
- (2) श्रीमती मत कार पर्ना ११८३ मिह पुत्र श्री दीदार मिह पाण्डि राज गिर, जी ११४३ गह पुत्र स० हाकम सिह वामी चारेवा त० मृदुर्लभ (अन्तर्गत) ।
- (3) जैसा कि न० २३६६ (१८५१) वर्षात् फ्रेस्क अधिभोग में अध्याहन्त्राक्षरी जान (१८५१)
- (4) कोई अधिकत ना प्रमाणि फ्रेस्क रखा गया (वह अधिकत जिसके बारे में अध्योहन नहीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

सो यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पर्कित वे अजन के लिए प्रतदृष्टारा वार्यवाहिया शक्ति करता ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षय, गौड़ नौर ही, ता—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी जनक्रियाकार में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वानुमति व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गणराज्य में वितावल विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रातःद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि दो रायावर सम्पत्ति ने अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए जाक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए दारीब और प्राप्ति नियत विए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति का, जिसने ऐसा जाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्ति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिमूलित लिया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के जर्मान मूला द्वारा यह त्रिलोकीयों को सनवाई के समय सुने जाने के लिये आवधारणा होता।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त मन्त्रों और पदों का, जो प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अध्याय 20-के में व्यापारिभारीत है, परन्तु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्मी जैसा कि रजिस्ट्रीड़ विलेख नं० ३३५६ जनवरी १९७१ को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तमर में गिन्धा है।

हिंसा गुता,  
मक्षम प्रधिकारी,  
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज अमतसर ।

तारोग्र 31 अगस्त 1974  
मोहर् ।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मन्त्रालय पायकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश स० ए०ए०आर०/गपी-1139/74-75—यत् मुझे,  
ठी० ए० ए० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते था कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की म० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3427 जनवरी 1974 निखा है, जो लौहगढ़, अमृतसर में रित है (और इसमें उपाबृह अनुसृती से और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से वर्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने दृढ़ निरी आग की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुनहर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती दिला देवी विधवा श्री कंदार नाथ अमृत श्री धर्म चद पूत्र श्री कंदार नाथ कुचा यारा मल इन्हाई लौहगढ़ गेट अमृतसर और श्री प्रकाश राम केवल विश्वन, विनाद युमार पूत्र श्री कंदार नाथ अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्रीमती जनक बती पन्नी श्री पूरन चन्द वासी चौक पासिया गली खाली बाली, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैमा फ़ि न० २ पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रन्दि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्राहोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तबगब्दी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित विद्या जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विद्या गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित विद्या जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैश के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसृची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3427 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० ए० ए० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहरः

प्रस्तुत शाहू दी० एन० प्र०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (रिक्षण)

प्रर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० १० एस० आर०/प्र० आर०/पार्षि-११४०/७४-७५—यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता, आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिस की सं० मम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3428 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अमृतसर में लिखा है, जो नोहगढ़, अमृतसर में स्थित है (आर० इगर० उपाबद्ध अनुसूची में श्रीं पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रारण अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी के

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त मम्पत्ति के लिए अर्जन के लिए कायवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित निए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जारीन—

(1) श्रीगती ८८५ का देहि विधवा थी कैगा० ११० और वे मर्ग दन्त, राम प्रभाज, केमल दिशन, दिनोद मुनार पुत्र श्री देवदर नाम, कुच्चा प्यारा मत्त इनसाईड नोहगढ़, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री दर्शन लाल, शाम सुन्दर पुत्र श्री पूर्ण राज नामी चौक पासीयां, गली माटी बाली, अमृतसर (अन्तरित)

(3) जैसा कि नं० २ पर है (वह व्यक्ति जिसके लिए ग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो मम्पत्ति में रचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भान्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से लिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित विधा जाता है कि हर स्थावर मम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिससे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3428 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
मक्षा प्रधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त 1974  
मो हर :

पांच पा० श्री० प्रम० प्रम०-

अधिकार नं। २० १९६१ (१९६१ वा ४३) की धारा  
२६९ पा० (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
सार्वजनिक पहाड़ आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रमूल रज यमूलमर

प्रमूलमर दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश नं १० पा० प्रा०, आर०/प्री-११४१/७४-७५-यत, मुझे  
डी० प्रम० गुप्ता बगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
४३) की धारा २६९ ख्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूला २५,०००/- रु० से अधिक है  
और जिसकी म० प्रमूलमर जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं ३४२७  
और ३४२८ जनवरी १९७४, और ३६७८ ३६७९ फरवरी १९७१  
लिखा है, जो लोहगढ़ अमूलमर गे रित है (और इसमें उपावद्ध  
श्रनुगच्छी मे गा० पूर्ण रूप भ दर्शन है), रजिस्ट्रीकूत अधिकारी के  
कार्यालय प्रमूलमर मे भागीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का १६) के अधीन दिनांक जनवरी १९७१  
को पूर्वोंत सूचना

के उचित बाजार मूला से गम के दूसरमान प्रतिफल के लिये  
रजिस्ट्रीकूत विलेख वा० अनुगाम अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूला, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ते०से दूसरमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर्को) और  
अन्तरिती (अन्तर्गतियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अतरण के  
लिये प्रतिफल, तिरनलिरित उद्देश री उक्त अन्तरण लिखित  
मे वास्तविक रूप मे वर्णित रहा किया गया है —

(क) अन्तरण मे दूर्वा० विर्मी आय की आबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का ४३) के अधीन करदेने  
के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने  
के ला० सुकर बनाना, और/या

(ख) गो० विर्गा या विसी धन या अन्य आगिनयो  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का ११) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का ४३) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने  
के लिए सुकर बनाना,

आर यत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ४३)  
के अध्याग ०-१९ दर्शन मे पूर्वोंत सम्पत्ति के अंजन के निया  
कार्यालय भूमि ते० ता० नाण गरे द्वारा अभिनियत किया गया

अन, अन, धारा २६९-ग के अनुसरण मे, मै आयकर, अधिनियम  
1961 (1961 का ४३) की धारा २६९-घ की उपधारा (१)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अधिति —

(१) मिर्जा राफिया राफिया राफिया विरोद्ध कुमार  
पुत्र वी० द्वारा तारा श्री गुरुराम कुमार कुमार आयकर  
मई उत्तराई लोहगढ़ रजिस्ट्रा० (गत्वा)

(२) श्रीगर्णी जनक वर्मी पन्नी श्री पूर्ण नद गली माता वाली  
रीपार्सिया अमृतना० ११ दर्जन लाल शास मुन्दर,  
दर्शन ०० पा० रु०, द्वारा, गा० गुप्ता गुप्ता पुत्र श्री  
पूर्ण चद गार श्रीमती, द्वारा दत्ती श्री सदेश  
कुमार, चौक पार्सिया, अमृतसरा० (अन्तर्गती)

(३) जैसा कि न० २ पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग  
मे अद्वैताक्षरी जानता है)।

(४) त्रौट व्यक्ति जो सर्वानि मे भवि रखता हो (वह व्यक्ति  
जिसके बारे मे अद्वैताक्षरी जानता है कि वह  
सरपनि मे हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अंजन के निया०  
एनद्वारा गार्यवाहिया शुरू करना है।

भा० ग ति० अंजन भ० प्रति आक्षेप जैद बोर्ड है, नोः—

(न) इस सूचना के राजान्व मे प्रकाशन की तरीख से ४५  
दिन की अवधि गा० तत्वत्वीय व्यक्तियो पर सूचना  
की लाभीत रे० ३०८८ के अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे समाप्त नहीं १ दी० पूर्वोंत व्यक्तियो मे से  
विर्गी जैद ना०

(ख) इस सूचना राजान्व मे प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के अवधि रजिस्ट्रा० द्वारा भवि रखता हो के  
अन्य व्यक्ति द्वारा ज्ञानीकरण के पास लिखित  
मे निये जा० गक्के।

एनद्वारा गार अधिसूचि० ११ दी० १९७१ है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अंजन भ० प्रति इस सूचना के उत्तर मे विए गए अधिको, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के तिए तारीख आर रथान नियत किए जाएंगे  
और उगती सूचना हो ऐसे व्यक्ति न० १५८८ ऐसा आक्षेप किया है  
तथा मार्गने के अन्तर्गतो बोर्ड ना० नी०

व्यक्ति को, जिसे विर्गी पैरा के अंजन सूचना दी गई है, अधिको  
की सुनवाई के रामग सुने जाने के निया० अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—१५८८ प्रय त शब्दा और पदो वा० जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का ४३) के  
जट्याय ०० मे ग्राहित भाविता है, वही  
वर्णे होगा जो उग रथान मे दिया गया है।

अनुसूची

प्रमा० गुप्ता कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं ३४२७ और ३४२८  
जनवरी १९७४ और ३६७८ और ३६७९ फरवरी १९७४ रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी अमृतसर मे लिखा है।

श्री० प्रम० गुप्ता,

मक्षम प्रधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

प्रमूल रेज, प्रमूलमर

तारीख ३१ अगस्त १९७४

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० १० ए० १० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गणराज्य

कार्यालय गद्दायान आयकर आयवत (निरीक्षण)

गर्जन रेग एमूनगर

एमूनगर, दिनांक 31 अगस्त 1971

निदेश स० एमूनगर/प्रोटो० 1142/74-75—यतः  
मृद्दो डी० ए० १० गृत्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० धर्ती का दुकान जैमा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख  
न० 5326 जनवरी 1974 लिखा है, जो वीवीवाला रोड, भटिडा,  
में स्थित है (प्रौंग इमें उपावद्ध अनुसूची में प्राप्त पूर्ण स्वयं  
नियन्त है), रजिस्ट्रीकूत प्राधिकारी के कार्यालय, भटिडा में भारतीय  
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और भूमि यह विष्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) पेर्सी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिसियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961,  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रवर्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क वे शब्दों में दृश्यवत समार्थित को अर्जन के लिये  
वार्यदारी शर वर्तन वे तराण मरे द्वारा अनिवार्य विये गये  
हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—266GI/74

- (1) श्री जोगिन्द्र गिर पूर्व ववणी मिह पुत्र स० नथा मिह,  
गम गिह पूर्व ग० गरवन मित्र आदि वारी  
वालियावाली (ग्रन्तगक)
- (2) श्री दीवान चद, जेट गम पूर्व श्री अर्जन दाम वारी  
भटिडा (ग्रन्तगती)
- (3) जैमा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिगके अधिभाग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) नोहि अनिन जो मग्पनि में न्वि रखता हो (वह व्यक्ति  
(जमरे वारे में अप्रौद्धताक्षरी जानता है कि वह गम्पति  
में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वा  
रा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पंचांधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
में विस्तीर्ण व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निखिल में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उगकी सूचना हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-न में  
यथा परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

धर्ती का दुकान जैमा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 5326  
जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी, भटिडा म लिखा है।

डी० ए० १० गृत्ता,  
प्रक्षम प्राधिकारी  
महाअक आयकर आयदत (निरीक्षण),  
अर्जन रेग एमूनगर।

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ८० एम० आर०/वी० टी० डी०/ग० पी०-1143/74-75—यतः मुझे, डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 5327, जनवरी 1974 लिखा है, जो बीवीवाला रोड, भटिडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बाज के वृद्धमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मृष्ट यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पादा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किया गया है।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र स० बक्शी सिंह पुत्र श्री नर्थरै मिह और गम मिह पुत्र श्री सरबन सिंह आदिवासी कालियावाली (अन्तरक)

2. श्री दीवान चन्द जेठू गम पुत्र श्री अर्जन दाम वासी भटिडा (अन्तरिती)

3. जैमा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के व्यापरिभाषित, हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैमा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 5327, जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिडा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का नार्यालय

अर्जन रेज, अमृतसर

ममृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1973

निर्देश मं० ए० एस० आर०/जालन्धर/ए० पी०-1144/74-75—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० धर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8522 जनवरी 1974 लिखा है, जो वस्ती शेख, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्म पाल, प्रेम नाथ, पवन कुमार, विजय कुमार, मोहन्दर पाल पुत्र श्री नंद किशोर पुत्र श्री राम रख्खा मल ई० एफ० 225 मंडी रोड, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री चरंजी लाल, गुरदियाल पुत्र श्री जगत राम पुत्र श्री दुल्ला राम वासी बूटा मंडी, मार्फत मैसर्स गार्डें ट्रेलिंग कम्पनी नजदीक सैटल बैक आफ इंडिया, मंडी रोड, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धर्ती वस्ती शेख जालन्धर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8522 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतमर्ग

अमृतमर्ग, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदण ग० ए० एम० आर०/शाहकोट/ए० धी०-1145/74-75—यतः, मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और यिसकी सूचना जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1517 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी शाहकोट में लिखा है, जो गांव इमोवाल में स्थित है (आँग इमगे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के वार्यालय, शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के, लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(क्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

असः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर मिह पुत्र पाल मिह पुत्र स० मोहन सिंह, गांव इमोवाल, नहसीन शाहकोट (अन्तरक)
2. मैमसे शाहकोट राईम गण्ड जनरल मिल्ज मार्फत मैमसे राम प्रकाश किशन चन्द शाहकोट
3. जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हच्ची रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति दभ सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख आँग स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

धरती गांव इमोवाल में, जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1517 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी शाहकोट में लिखा है ।

द्वी० एम० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतमर्ग

तारीख 31 अगस्त 1974 ।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक: 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ग० ए० ए० आर०/फगवाड़ा/१० पी०-११४६/  
७४-७५—यतः, मुझे,

डी० ए० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी मूल्य में सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं०  
1942 जनवरी 1974 लिखा है जो फगवाड़ा में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय  
जनवरी 1974  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन जनवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वकृति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें  
बदलने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हाथ अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मेरे आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमीन चन्द्र पुत्र श्री राम रत्न मंडी महारांज,  
फगवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री केदार नाथ पुत्र श्री कर्म चन्द्र मंडी महारांज, फगवाड़ा  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह अधिकत जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो (वह अधिकत  
जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसके में किए गए आशेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1942 जनवरी  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

डी० ए० ए० गुप्ता  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० ए० आर० /जालंधर/ए० पी०-1147/  
74-75—यतः, मुझे, डी० ए० ए० गुप्ता आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मं० धर्नी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०  
9077 जनवरी 1974 निखार है, जो दिसु नंगल में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री चरण दास पुत्र श्री भगत राम करतारपुर (अन्तरक)

2. मैसर्स जनता राई० ए० जनरल मिल्ज़ी प्रीतनगर, करतारपुर  
मार्फत श्री अमृतलाल, स्वर्ण सिंह प्रीतम सिंह करतारपुर पाठनर  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो मम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धर्मती, दिसु नंगल जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9077  
जनवरी 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के, जालंधर में लिखा  
है।

डी० ए० ए० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

दिनांक : 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/बटाला/ए० पी०-1148/74-75  
—यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5186 जनवरी 1974 लिखा है, जो बटाला बैस्ट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मदन लाल पुत्र श्री दवाविया राम बटाला आदि। (अन्तरक)
2. श्री विजय कुमार पुत्र श्री चूनी लाल बटाला (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो गम्भीर में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह गम्भीर में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है वहा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरों के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती बटाला बैस्ट में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5186 जनवरी 1974 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में निखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश मं० ए० एम० आर०/बी० टी० एन०/ए० पी०-1149/

74-75:—यत्, मुझे, ई० एम० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मं० धर्मी जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5187 जनवरी, 1974 लिखा है, जो बटाला वैस्ट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी, को

पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री द्वानिया राम बटाला आर्जु।  
(प्रत्यक्ष)

(2) श्री चर्जीव लाल पुत्र श्री नूनी लाल बटाला।  
(अन्तरिती)

(3) जैमा फः न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इन रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यवितरण पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित्रित मे किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

धर्मी बटाला वैस्ट मे, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5187 जनवरी, 1974 की रजिस्ट्रीकृत अधिकारी विलेख मे लिखा है।

ई० ए० ए० गुप्ता,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 31 अगस्त 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/बी० टी० एस०/ग० पी०-  
1150/74-75:—यसौ, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० धर्मी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5097  
जनवरी, 1974 लिखा है, जो बटाला वैस्ट में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या  
उससे अधने के लिए सुकर बनाना; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

7-266GI/74

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री दक्षाविया राम बटाला आदि।

(अन्तरक)

(2) श्री चरंजीव लाल पुत्र श्री चूनी लाल बटाला।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने  
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृतसरी

धरती, बटाला वैस्ट में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
5097 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में  
लिखा है।डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 31 अगस्त 1974।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० प०स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निवेदण सं० ए० प०स० आर०/बी० टी० ए०ल०/ग० पी०-1151/  
74-75:—यतः, मुझे, डी० ए०म० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 5096 जनवरी, 1974 लिखा है, जो बटाला वैस्ट में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यसे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री मदन नाल पुत्र श्री द्वाविया राम बटाला आदि।  
(अन्तरक)
- (2) श्री विजय कुमार पुत्र श्री चूनीलाल बटाला।  
(ग्रन्तिग्रन्ती)
- (3) जैमा कि नं० 2 पर है। (वह अव्यक्ति जिसके अधिकारी भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता है। (वह अव्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर, सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती गांव बटाला वैस्ट, जैमा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 5096 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

डी० ए०म० गुला,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

पुना-411004, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश मं० मी० ए०/५/जनवरी/७४/सोलापुर/१३२:—यतः, मुझे, जी० कृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है और जिसकी मं० गट क्रमांक 155/३बी० है, जो सोलापुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री चंद्रलाल वानाप्रगाद दुबे
- (2) श्रीमती प्रमिलावाही चंद्रलाल दुबे 385 दक्षिण कसबा पेठ, सोलापुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रामय्या कोडय्या कोडले 267/67 रविवार पेठ, सोलापुर।

श्री भगवान नरहर अवमेकर, सोलापुर। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन गट क्रमांक 155/३बी० में से सोलापुर में जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ ० गुणा उसके कर्मन 1/2 हिस्सा फिहोल्ड निम्न प्रकार से विद्या हुआ :—

**पूर्व के तरफ** : श्री मोगलप्पा वलीराम पोगुल की गट क्रमांक 154 की जमीन।

**दक्षिण के तरफ** : श्री प्रभाकर दुबे की जमीन जो तुम्हें (अन्तरिती) देची है।

पश्चिम के तरफ, हमारे (अन्तरक) हिस्से की जमीन जिसका लै-शॉट और प्लाटस् निर्माण करके देची है।

**उत्तर के तरफ** : श्री ग्रानिकी फैक्टरी है।

जी० कृष्णन्,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 28-8-74।

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 27 अगस्त 1974

निर्देश सं० सी० ऐ०/५/जनवरी/७४/सोलापुर/१३१:—यतः, भुजे, जी० कृष्णन्,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० गट क्रमांक 155/३बी० है, जो सोलापुर में स्थित है (और हस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-१-1974

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष्म तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री चंद्रलाल बाकाप्रसाद दुबे,

(2) श्रीमती प्रमिलाबाई चंद्रलाल दुबे 385, दक्षिण कसबा पेठ, सोलापुर । (अन्तरक)

2. (1) श्री सत्यनारायण रामद्या कोडले 267/67 रविवार पेठ, सोलापुर । (अन्तरिती)

श्री भगवान नरहर अवसेकर, सोलापुर ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगिक हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन गट क्रमांक 155/३बी० में से, सोलापुर में।

जिसका क्षेत्र-२ एकल ० गुंठा, उसमें कॉमैन 1/2 हिस्सा फ्री होल्ड निम्न प्रकार से विरा हुआ।

पूर्व के तरफ—श्री मोगमण्डा बकीराम पोगूल की गट क्रमांक 154 की जमीन।

दक्षिण के तरफ—श्री प्रभाकर लुबे की जमीन जो तुम्हें (अन्तरिती) देची है।

पश्चिम के तरफ—हमारे हस्से की जमीन जिसका ले० औट और प्लांटस्—निर्माण करके देची हैं।

उत्तर के तरफ—श्री अकलिकी फैक्टरी है।

जी० कृष्णन्,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 27-8-74।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अगस्त, 1974

सं० IX/3/277/73-74.—यत., मुझे, के० वि० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 31/2 प०, मद्रास है, जो पन्तियन रोड, एधमोर में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कुधिदुनिमा वेघम, पन्तियन रोड, एधमोर, मद्रास (अन्तरक)

(2) प० आई० प्रापर्टी डेवलपमेन्ट (प्रा०) लिमिटेड, एधमोर, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ:—  
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

मद्रास, एधमोर, पन्तियोन रोड, डोर सं० 31/2प० में चार० ग्रउण्ड का खालि भूमि जिसका आर० एस० सं० 1623/1 और 1626/4।

के० वि० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I मद्रास।

तारीख: 28-8-74।

मोहर:

प्र० र० आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अगस्त 1974

निदेश सं० IX /3/271/73-74:—यत, मुझे, के० वि० राजन,

सहायक आयकर आयुक्त, लखनऊ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 31/2 प० पन्नियोन गोड़, एडमोर मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद काजिम खलीलि, एडमोर, मद्रास (अन्तरक)

(2) एस० आई० प्रापर्टी डेवलपमेन्ट (पि) निमिट्ट, एडमोर, मद्रास-8। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने गैसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मद्रास, एडमोर, डॉर सं० 31/2 न० 15 ग्राउण्ड का खालि भूमि जिम्या आर० एस० सं० 1623/1 और 1626/4।

के० वि० राजन्  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I मद्रास।

तारीख : 28-8-74।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अगस्त, 1974

निकेश मं० पि० आर० 62/2028/73-74/ग० मी०न००  
(बी०):—यतः, मृमें, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौंज जिमकी मं० (1) के० बी० जी०, 1619, 12 क्रास, II स्टेज, राजाजी नगर, बंगलूर-10 (2) 190/47, II क्रास, नागप्पा ब्लाक लक्ष्मी नागरण पुरम, बंगलूर मे० स्थित है (ग्रौंज इसमे० उपाबंद अनुमूल्य मे० और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व मे० कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए है।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसारण मे०, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० दोरस्वामी (2) श्रीमती साक्ष्मा नं 190/47, II क्रास, नागप्पा ब्लाक, लक्ष्मीनागरण पुरम, बंगलूर (अन्तर्गत)
2. (1) पी० गनगप्पा (2) पी० गमया, लक्कर, मोमापुर होब्की, नेनमनगला तालुक बंगलूर जिला (अन्तर्गती)
3. (1) श्री गनपती  
(2) सैयद आजम  
(3) गाँरुदा } मम्पत्ति 1 के वासी  
(वह व्यक्ति जिसके श्रद्धाभोग मे० मम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी मूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे० प्रथम शब्दों और पश्चों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे० यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

(1) नं० 1619, 12 क्रास (के० बी० जे० बस रोड), II स्टेज राजाजीनगर, बंगलूर-10

(2) 190/47 II क्रास, नागप्पा ब्लाक, लक्ष्मीनारायण-पुरम, बंगलूर

जगह की सीमा (1) 1170 वर्ग फीट (2) 2475 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 3951/2-1-74

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-8-74।

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अगस्त, 1974

मं० मि० शार० 62/2048/73-74 ए० मी० क्य० (वी०) ---  
यत्, मुझे, आर० क्रिणमूर्ति, स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 13/8 है, जो लाल बाग है रोड, बंगलूर में स्थित  
है (और इसमें उपाबृ० अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वस्त्रनगुडि, बंगलूर-4  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 2-1-1974 को पुर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पुर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
चर्दैश से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हाजी एस० मोहम्मद इस्माईल 13/8, नामै वाग  
रोड, बंगलूर-4  
(अन्तरक)

2. श्री (1) अब्दुल रहीम, (2) अब्दुल मुमान (3)  
शेख महमूद (4) मोहम्मद मुम्ताज (5) अब्दुल रहीम नं० 10,  
श्रीनिवास नालोनी बंगलूर-27  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किमी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापर्याप्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 13/8, लाल बाग है रोड, बंगलूर  
जगह की सीमा 7000 वर्ग फीट

सीमा:—

पूर्व लालबाग है रोड  
पश्चिम श्रीमती केमरबाई मनगनलाल हेच० शाह की  
सम्पत्ति  
उत्तर श्री एस० एस० रम्पण श्रांड सन्म की सम्पत्ति  
दक्षिण श्रीमती केमरबाई मनगनलाल हेच० शाह की  
सम्पत्ति।

दस्तावेज नं० 3742/2-1-74

आर० क्रिणमूर्ति  
मक्षम प्राधिकारी,  
स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूर।

दिनांक: 22-8-74।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 अगस्त, 1974

सं० सि० आर० 62/2025/73-74 एक्य० (बी०) —  
यतः मुझे, आर० क्रिणामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० 458/15 है, जो 18 मैन रोड, IV टी० ब्लाक,  
जयनगर, बैंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जयनगर, बैंगलूर-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 8-1-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-266 GI/74

1. श्रीमती के० एम० गोपालक्रिष्णन, सपुत्र लेट के० वी०  
सुश्रृङ्खण्यम, 458/15, 18 मैन रोड IV टी० ब्लाक, जयनगर,  
बैंगलूर-II  
(अन्तरक)

2. श्री ए० के० वेनकटायला, सेट्री सुपुत्र वेनकटायमम्मा  
मेट्री नं० 485/15, 18 मैन रोड, IV टी० ब्लाक  
जयनगर, बैंगलूर-II  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अस्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति 458/15 मैन 18 रोड, 'टी०'  
ब्लाक जयनगर, बैंगलूर-II (जगह की सीमा 3750 वर्ग फीट)  
दो मंजिले बाली इमारत जिस की सीमा निम्न प्रकार है :—

पूर्व सैट नं० 471

पश्चिम 18 मैन रोड ,

उत्तर सैट न० 457

दक्षिण सैट नं० 459

वस्तावेज न० 3244/8-1-74

आर० क्रिणामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 22-8-1974

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 अगस्त 1974

निदेश सं० सि० आर० 62/2082/73-74/एस्य० (बी०)—  
यतः, मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8514 है, जो VIII क्रास, विलसन गार्डन, बैंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण स्व स्वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पापमा पत्नी श्री हनुमया 85/4, VIII क्रास, विलसन गार्डन, बैंगलूर-27। (अन्तरक)

2. श्रीमती बी० गमरननमा पत्नी पा० के० वेन्कटाचल मेट्टी नं० 158/15, 18 गैन रोड, IV 'टी०' ड्लान, जयनगर, बैंगलूर-11। (अन्तरिती)

3. श्री (1) जार्ज डब्ल्यू० बनगारा (2) मैथद गौस (3) के० रामस्वामी रेडी (4) पा० सूर्यनारायण (5) पी० एस० श्रीनिवासन (6) ए० एस० मृत्तमा (7) लक्ष्मी (8) बी० वेन्कटाचलमया (9) हनुमया। (वह अप्रिक्त जिसके अधिभीम में मम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास निखिल में किये जा सकें।

एन्वेंड्रारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एन्वेंड्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 85/4, VIII क्रास, विलसन गार्डन, बैंगलूर-27 (जगह की मीमा 750 वर्ग फीट)

दस्तावेज नं० 3326/18-1-1974।

आर० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
तारीख: 22-8-1974।  
मोहर:

श्रीमती पापमा पत्नी श्री हनुमया 85/4, VIII क्रास, विलसन गार्डन, बैंगलूर-27।  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 अगस्त 1974

स० मि० आर० 62/2026/73-74 पश्य० (बो०) —  
यतः, मुझे, आर० क्रिष्णमूर्ति, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा०  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- हप्ते में अधिक है  
और जिसको स० 85/4 है, जो VIII काम, विलमन गार्डन बैंगलूर  
में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय, जयनगर,  
बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन एफ० एन० 15-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को  
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पापमा पत्नी हनुमया 85/4, VIII काम,  
विलमन गार्डन, बैंगलूर-27  
(अन्तरक)

2. श्रीमती वी० वेंकटरत्नमा पत्नी श्री ए० के० वेंकटचल-  
मेट्टी, नं० 858/15, 18 मैन रोड, IV "टी०" ब्लॉक जयनगर,  
बैंगलूर  
(अन्तरिती)

(3) (1) जार्ज डब्लू० बनगारा (2) सैयद गोप  
(3) के० रामस्वामी रेडी (4) एन० सूर्यनारायण (5) पी०  
एस० श्रीनिवासन (6) ए० एम० मुत्तम (7) लक्कना (8)  
वी० वेंगटाचलथाम (9) हनुमया

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि तक सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने अक्षेप ऐसा  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

तीन मन्जिने वाली इमारत, नं० 85/4, VIII काम, विलमन  
गार्डन, बैंगलूर

मैट की सीमा 1250 वर्ग फीट  
ग्रौंड फ्लोर और फ्लट फ्लोर—हर एक 11 स्कवयर II  
फ्लोर—8 स्कवयर  
दस्तावेज नं० 3266/एफ० एन० 15-1-74

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 22-8-74।

मोहर :

## संघ सोक सेवा आयोग

वि० सं० 40

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आवंशित किए जाते हैं।

1. एक पद, ग्रेड II—संयुक्त निवेशक, भारत सांचियकी सेवा, कार्मिक तथा प्रशान्त सुधार विभाग। (पद अस्थायी, अनिवार्य काल तक चलना संभव)। (अ० जा० के लिए आरक्षित, न मिलने पर अनारक्षित)। वेतन :—र० 1500-60-1800। आयु :—वरीयत : 45 वर्ष से कम। अ० यो० :—सांचियकी या गणित या अर्थशास्त्र में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री अथवा गणित या सांचियकी के विषय सहित डिग्री तथा साथ में सांचियकी में कम से कम 2 वर्ष के स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के बाद प्राप्त डिप्लोमा। मान्यता प्राप्त संस्थाओं या सरकारी विभागों या विष्यात वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में सांचियकीय कार्य/अवेषण/श्रनुसंधान का 8 वर्ष का अनुभव तथा क्षेत्रगत कार्य (अर्थात् सांचियकीय सर्वे० प्रतिवेदन) में मौलिक अनुसंधान का प्रमाण।

2. एक वास्तुविद् योजनाकार, नगर और धाम योजना संग, निर्माण और आवास मंत्रा० (पद स्थायी नियुक्त अस्थायी आधार पर)। वेतन :—र० 1300-60-1600-100-1800। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—वास्तुकला में डिग्री। वास्तुकला या नगर योजना में किसी दायित्वपूर्ण हैसियत से 7 वर्ष का अनुभव।

3. एक उपनिवेशक (नियर्ति प्रवर्द्धन), औद्योगिका०मंत्रा० (पद अस्थायी, अग्नि० काल तक चलना संभव)। (अ० जा० के लिए आरक्षित, न मिलने पर अ० ज० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—र० 1100-50-1600। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—व्यवसाय प्रशान्त विवरण में विशेषज्ञता सहित अर्थशास्त्र या वाणिज्य में 'मास्टर' डिग्री। किसी सरकारी या विष्यात औद्योगिक/व्यावसा० प्रतिष्ठान में नियर्ति प्रवर्द्धन के क्षेत्र में दायित्वपूर्ण हैसियत से 7 वर्ष का अनुभव।

4. एक सहा० निवेशक (शरीर क्रिया विज्ञा०), महा-निवेशक, कारखाना परामर्श सेवा तथा धर्म संस्थान, बम्बई। (पद स्थायी, नियुक्त अस्थायी आधार पर)। वेतन :—र० 1100-50-1600 (परिशोधित वेतनमान)। आयु० :—40 वर्ष। अ० यो० :—शरीर क्रिया विज्ञान में 'मास्टर' डिग्री। औद्योगिक कार्यिक विज्ञान के क्षेत्र में 5 वर्ष का अनुभव जिसमें में 3 वर्ष का अनुभव अनुरूप समस्याओं से संबद्ध किसी विष्यात संस्थान का सरकारी विभाग में किसी दायित्वपूर्ण पद पर हो।

5. भू-विज्ञान संकाय का एक अध्यक्ष (भार, फोटो निर्बचन संस्थान), भारत का सर्वे०, विज्ञान तथा प्रौद्यो० विभाग। (पद स्थायी)। वेतन :—र० 1100-50-1400 (परिशोधन पूर्वी)। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—भू-विज्ञान में एम० एस० सी०। भूवैज्ञानिक सर्वे० के विषेष संदर्भ में भू-विज्ञान में अनुसं० और/या अध्यापन का 10 वर्ष का अनुभव तथा भू-विज्ञा० सर्वे० के लिए फोटो निर्बचन की प्रविधियों का ज्ञान।

6. एक वरि० तकनीकी अधिकारी, उत्पा० और निरीक्षण (नोसेना) निवेशा० रक्षा मंत्रा०। (पद अस्थायी, अग्नि० काल तक चलते चलते अन्ततः स्थायी होना संभव)। (अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—र० 700-50-1250 (परिशोधन संभव)।

आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—वैद्युत इंजी० में डिग्री तथा साथ में वैद्युत शक्ति मशीनरी और उपस्कर के परिचालन/मरम्मत/अनुरक्षण/प्रभिकल्पन का 5 वर्ष का अनुभव।

7. एक अधीक्षक, आंकड़ा प्रसाधन संकाय, राष्ट्रीय मसूना सर्वे० संग०, योजना मंत्रा०। पद स्थायी, नियुक्त अस्थायी आधार पर)। (अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—र० 550-25-750-द० रो०-30-900 (परिशोधित वेतनमान)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—सांचियकी या गणित या अर्थशास्त्र या वाणिज्य (सांचियकी सहित) में "मास्टर" डिग्री। अथवा गणित या सांचियकी या अर्थशास्त्र के विषय के साथ डिग्री (कम से कम 50% श्रंखला से) तथा किसी मान्यताप्राप्त संस्था में 2 वर्ष के प्रशिक्षण के बाद सांचियकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और आंकड़ा प्रसाधन कार्य अथवा काई मारणीयन पद्धति में 2 वर्ष का अनुभव।

8. एक वरि० अव्येषक, सहा० निवे० का कार्या० तौल तथा माप बम्बई। (पद अस्थायी, अग्नि० काल तक चलना संभव)। वेतन :—र० 550-25-750-द० रो०-30-900। आयु :—30 वर्ष। अर्थशास्त्र या वाणिज्य में "मास्टर" डिग्री तथा आर्थिक अनुसं०/अन्वेषण में 3 वर्ष का अनुभव।

9. तिविल इंजी० का एक आलपता, पंजाब इंजी० कालेज चंडीगढ़। पद अस्थायी, अग्नि० काल तक चलना संभव। (अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—र० 400-30-700/40-1100। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—मूदा यांत्रिकी और नींव इंजी०/राजपथ इंजी०/सिचाई और द्रव इंजी० में प्रमुखता सहित सिविल इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

पद सं० 10 से 12 हृषि मंत्रा० में

10. एक निवेशक (केन्द्रीय पशु संबर्धन कार्म), धाम रोड। (पद अस्थायी, अग्नि० काल तक चलना संभव)। वेतन :—र० 1100-50-1400। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—कृषि विज्ञा०/पशुपालन विज्ञा०/डेरी विज्ञा०/पशु रोग विज्ञा० में डिग्री। पशु आनुवंशिकी में स्नातकोत्तर डिग्री तथा किसी दायित्वपूर्ण पद पर डेरी फार्मों के प्रबन्ध का 7 वर्ष का अनुभव।

11. एक वरि० तकनीकी सहा० (हृषि विकास), सुपारी गरम मसाला विकास निवेशा०। (पद अस्थायी, चलते चलते अन्ततः स्थायी होना संभव)। वेतन :—र० 550-25-750-द० रो०-30-900 (परिशोधित)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—कृषि विज्ञा० में डिग्री। अनुसं०/विकास या प्रसार कार्य का 2 वर्ष का अनुभव।

12. एक वरि० तकनीकी सहा० (हृषि विकास), पटसन विकास निवेशा०। (पद अस्थायी, अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—र० 350-25-750-द० रो०-30-900। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—कृषि विज्ञान में डिग्री। कृषि अनुसं०/विकास या प्रसार कार्य का 2 वर्ष का अनुभव।

13. पद सं० 13 व 14 स्वास्थ्य और प० मि० मंत्रा० में एक परिवहन उप नियवक (पद अस्थायी, अग्नि० काल तक चलना संभव)। वेतन :—1100-50-1600 (परिशोधित वेतनमान)। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—यांत्रिक या आटोमोबील इंजी० में डिग्री। अनरक्षण, मरम्मत और कार्य में मंबद्ध किसी विष्यात अनुभव।

आटोमोबाइल कर्मशाला में शायिक्षिक पूर्ण हैसियत से 5 वर्ष का अनुभव तथा किसी सङ्क परिवहन उद्यम में प्रशासनिक अनुभव जिसमें भानक प्राक्कलन और कुशलता योजना का तैयार करना सम्मिलित हो।

14. एक तत्त्विका शल्यचिकित्सक, सफदरजग अस्पताल नहीं बिल्ली। (पव स्थायी, अनिं काल तक बलना सम्भव)। वेतन :—रु 600-40-1000-द० रो०-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50/- की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक में अधिक रु 600/- प्र० मा० होगा। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता। तत्त्विका शल्य चिकित्सा में स्नातकोत्तर योग्यताएं तथा तत्त्विका शल्य चिकित्सा में विशेषज्ञता से सबद्ध उत्तरदायित्व पूर्ण हैसियत से 3 वर्ष का कार्य।

पद स० 15 से 19 अखिल भार, स्वास्थ्य रक्षा तथा सोक स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में

15. तीन निदेशक (सांखियकी) (पव स्थायी, नियुक्ति अस्थायी आधार पर)। (एक पव अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु 550-25-750-द० रो०-30-900। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—सांखियकी या गणित (सांखियकी सहित) में 'मास्टर' डिग्री। अथवा सांखियकी या गणित के साथ डिग्री तथा 2 वर्ष के प्रशिक्षण के बाद सांखियकी में मान्य स्नातकोत्तर डिलोभा।

16. एक सहायक चिकित्सक अधिक० (रति रोग)। (पव स्थायी, भर्ती अस्थायी आधार पर)। (अ० ज० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु 325-15-475-द० रो०-20-575 तथा साथ में वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता (परिशोधन सम्भव)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता।

17. एक सहा० चिकित्सक अधिक० (क्षय रोग)। (पव स्थायी, भर्ती अस्थायी आधार पर)। वेतन :—रु 325-15-475-द० रो०-20-575 तथा साथ में वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता (परिशोधन सम्भव)। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता।

18. तीन निदर्शक (चिकित्सक) (सूक्ष्म जीव विज्ञा०)। (पव स्थायी, भर्ती अस्थायी आधार पर)। वेतन :—325-15-475-द० रो०-20-575 तथा साथ में वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता (परिशोधन सम्भव)। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता अथवा चिकित्सा सूक्ष्म-जीव विज्ञान/रोधनसंसाधन सम्भव। विज्ञान में अनुभव के साथ सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम० एस० सी० डिग्री।

19. एक क्षेत्र अमुदेशक (चिकित्सक)। (पव स्थायी, भर्ती अस्थायी आधार पर)। वेतन :—रु 325-15-475-द० रो०-20-575 तथा साथ में वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता (परिशोधन सम्भव)। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता।

शुद्धि-पत्र

1. एक संयुक्त निदेशक (विधि) कम्पनी कार्य विभाग, विधि, मंत्रालय (13-7-1974 को प्रकाशित स० लो० से० आ० के विज्ञापन स० 28 की मद-स० 2)। पदों की संख्या एक से बढ़ा कर

दो कर वी गई है और अ० यो० (11) को दोनों पदों के लिए इस प्रकार संशोधित कर दिया गया है "न्यायवादी/वकील की हैसियत से 12 वर्ष का अनुभव जो वरीयत। संयुक्त पूजीवाली कम्पनियों में सबद्ध मामलों का हो अथवा कम्पनी प्रशासन अधिनियम, 1956 में सबद्ध किसी सरकारी विभाग में कम्पनी विधि कानून के परिपालन में 12 वर्ष के अनुभव के साथ हो"। अतिम तारीख 4-11-1974 (विदेश स्थित आवेदकों के लिए 18-11-1974) तक बढ़ा दी गई है।

II. चार बनस्पतिश, भारत बनस्पति वर्षेभूषण। (27-7-74 को प्रकाशित स० लो० से० आ० के विज्ञापन स० 30 की मद-स० 13)। अनुभव इस प्रकार संशोधित है कोई (ALGAE) फूल, (FUNGI) आयोफाइट्स/ट्रोडोफाइट्स, आवृत्तबीज (ANGIOSPERMS) अनावृतबीज (GYMNOSPERMS) अतिम तारीख 4-11-1974 (विदेश स्थित उम्मीदवारों के लिए 18-11-1974) तक बढ़ा दी गई है।

III. दो सिवि० सहा० शुरका अधिक०, अनुचिका० सग, रक्षा मद्वा० (8-6-1974 को प्रकाशित स० लो० से० आ० के विज्ञा० स० 23 का शुद्धि पत्र 1)। पदों की संख्या 2 से 3 कर दी गई है। अतिरिक्त पद अनारक्षित है। अतिम तारीख 4-11-1974 (विदेश स्थित आवेदकों के लिए 18-11-1974) तक बढ़ा दी गई है।

आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अतिम तारीख 4 नवम्बर, 1974 (विदेशी, अड्डेमाल, निकोबार और लक्ष्मीपुर के उम्मीदवारों के लिए 18 नवम्बर, 1974)

\*पदों आदि के बारे में यह संक्षिप्त सूचना है। आवेदन-पत्र और विवरण के लिए सचिव, स० लो० से० आयोग नहीं दिल्ली-110011 को बिना टिकट के अपना पता लिखे दूए लिफाफे (23×10 स० मी०) के साथ मद संख्या, पद का नाम और विज्ञापन का हवाला देते हुए लिखे।

† आयु 1-1-1974 तक की गिनी जाएगी। (विस्थापितों, अ० जा०, अ० ज० जा० और सरकारी कर्मचारियों को, जहा अन्यथा न बताया गया हो, आयु-सीमा में छूट सम्भव)।

† आयोग, उचित समझे तो, योग्यताओं में छूट दे सकता है।

† उच्च प्रारम्भिक वेतन योग्यताओं के अनुसार दिया जा सकता है।

† आवेदन-शुल्क भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में श्राठ रु० (अ० जा० और अ० ज० जा० के लिए दो रु०), विदेश के उम्मीदवार भारतीय दूतावास में शुल्क जमा करे।

संकेत : अ० जा० :—अनुसूचित जाति अ० ज० जा० :—अनुसूचित जन जाति-अ० यो० :—अनिवार्य योग्यताएं

ग्रामोक चन्द्र बन्धोपाध्याय,  
सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd August 1974

No. A. 32013/2/73-Admn.I.—Shri B. K. Lal, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service, who was earlier appointed to officiate in Selection Grade of the Service with effect from 19-3-74 (A.N.) to 19-9-74 (A.N.), has since been appointed to officiate in the Selection Grade of the Service with effect from the forenoon of 15th July, 1974 until further orders *vide* Cabinet Secretariat, Department of Personnel and Administrative Reforms, Notification No. F 4/43/73-CS(I) dated 9th August, 1974. Shri B. K. Lal will continue to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 15th July, 1974 until further orders.

The 26th August 1974

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Arora, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 81 days from 15th July, 1974 to 3rd October, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

The 28th August 1974

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 28th May, 1974, the President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 2 weeks from 13th July, 1974 to 26th July, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

The 4th September 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. D. Joshi, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 45 days with effect from 17-6-74 to 31-7-74.

Shri T. D. Joshi relinquished charge of the office of Under Secretary on the forenoon of 1-8-74. On his reversion, Shri Joshi resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1-8-74.

The 7th September 1974

No. A. 38014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri P. C. Madan, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. Service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June, 1974 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November, 1973.

No. A. 38013/2/73-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri S. V. Venkatraman, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. Service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June, 1974 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

No. A. 38013/3/73-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri M. L. Kacker, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. Service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st July, 1974 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November, 1973.

M. R. BHAGWAT,  
Under Secy.,  
(Incharge of Administration)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 26th August 1974

No. E-38013(1)/2/74-Ad.I.—On transfer to Calcutta, Shri P. P. Singh, IPS (Bihar-1956), relinquished the charge of the post of Commandant No. 9 Bn. Central Industrial Security Force Patna with effect from the Afternoon of 1st August, 1974 and Shri A. B. Choudhuri, assumed the additional charge of the post of Commandant 9 Bn. Central Industrial Security Force, Patna with effect from the Afternoon of the same date.

The 9th September 1974

No. E-38013(3)/13/74-Ad.I.—Shri Y. N. Khanna, Assistant Commandant No. 14 Battalion, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st August, 1974 and on his appointment as Assistant Commandant (JAO), Eastern Zone, Central Industrial Security Force with HQs. at New Delhi assumed the charge of the post with effect from the forenoon of the same date.

The 12th September 1974

No. E-38013(3)/13/74-Ad.I.—Shri N. C. Sood, Assistant Commandant No. 8 Battalion, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April, 1974 and on appointment assumed the charge of the post of Assistant Commandant/Central Industrial Security Force, Delhi Airport with effect from the forenoon of the same date.

L. S. BISHT, Inspector General

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-1, the 28th August 1974

No. 2/12/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Shanti Sagar, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd August, 1974, until further orders.

The 7th September 1974

No. 2/24/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri P. DeSousa, Chief Engineer, Central Public Works Department, as Chief Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 5th September, 1974, until further orders.

B. V. DIGHE, Under Secy. (Admn.),  
for Central Vigilance Commissioner

## DIRECTORATE OF COORDINATION

## (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 12th September 1974

No. A. 38/3/71-Wireless.—The appointment of S/Shri M. N. Tiku and M. A. Kini, Extra Assistant Directors on *ad hoc* basis is extended for a further period upto 31st December, 1974 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

C. P. JOSHI, Director,  
Police Telecommunications

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th September 1974

No. 25/2/73-RC(Ad.I).—In continuation of this office Notification No. 25/2/73-RG(Ad.I), dated 13 March 1974, the President is pleased to continue the re-employment of Shri H. S. Khatra as Deputy Director of Census Operations, Punjab for a further period of six months with effect from 1 September, 1974.

No. 25/11/73-RG(Ad.I.)—In partial modification of para 2 of this office notification No. 25/11/73-RG(Ad.I.), dated 7 May 1973, the President is pleased to decide that in addition to his normal duties, which the Government of Himachal Pradesh may assign to him from time to time, Shri Atiār Singh will function as Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Himachal Pradesh in an ex-officio capacity with effect from the forenoon of 18 April 1973, until further orders.

R. B. CHARI,  
Registrar General, India  
and Ex-officio Joint Secy.

## SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 9th September 1974

No. 7(34)/5185.—Shri Kalyan Kumar Chowdhary is hereby appointed as Assistant Engineer (Mechanical) with effect from the forenoon of 5th September, 1974.

P. S. SHIVARAM, General Manager.

## OFFICE OF THE A.G.C.R. NEW DELHI

New Delhi, the 3rd September 1974

No. Admn.I/5-5/Promotion/74-75/1496.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed Shri B. L. Rustagi, Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200 w.e.f., 28th August 1974 (F.N.), until further orders.

H. S. DUGGAL, Sr. Dy. Accountant General (A).

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA

Bhubaneswar, the 20th July 1974

No. O.O.C. 325.—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers with effect from the date as noted against each until further orders.

1. Shri A. Venkata Ramana, 11-7-74 (F.N.).
2. Shri Padma Charan Mohapatra, 15-7-74 (F.N.).

V. S. BHARDWAJ,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

## Office of the Accountant General, Utter Pradesh-I

Allahabad, the 6th September, 1974

No. Admn. I/11-144/XI (II)/2670.—The Accountant General Uttar Pradesh I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the dates noted against each until further orders.—

S/Shri

(1) R. P. Bhatnagar			24-8-74	(Proforma Promotion)
(2) Jogendra Lal Chaudhary			24-8-74	
(3) Shyam Sunder Das Agrawal			26-8-74	
(4) Madhav Vidyadhar Gore			27-8-74	
(5) G. M. Bhagia			31-8-74	
(6) Ram Ratan Agrawal			27-8-74	
(7) K. P. Mathur			31-8-74	
(8) Kailash Chandra Agrawal			28-8-74	
(9) Bishambhar Nath Chaube			2-9-74	
(10) Achal Behari Lal Srivastava			29-8-74	
(11) Brahma Nand			30-8-74 (Afternoon)	
(12) Baleshwar Prasad Agrawal			31-8-74	
(13) Sridhar Vidyadhar Gore			28-8-74	
(14) Tara Chand Srivastava			28-8-74	

U. RAMA CHANDRA RAO  
SR. Deputy Accountant General

Defence Accounts Department  
Office of the Controller General of Defence Accounts

New Delhi-22, the 10th September 1974

No. 40011(2)/74-AN-A—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
1	2	3	4	5
<b>Sarvashri</b>				
1.	A. K. Mukherjee (P/123)	Permanent Accounts Officer	31-12-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, Patna.
2.	D. S. N. Murthy (P/ 163)	Permanent Accounts Officer	30-11-74 (AN)	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.

1	2	3	4	5
Sarvashri				
3. Miri Mal Bansal (P/206)	Permanent Accounts Officer	28-2-75 (AN)	Controller of Accounts (Air Dehra Dun.)	Defence Force
4. K. Govindan Kutty Nair (P/220)	Permanent Accounts Officer	30-11-74 (AN)	Controller of Accounts (Other South, Madras.)	Defence Ranks
5. Munshi Ram Jain, (O/291)	Officiating Accounts Officer	28-2-75 (AN)	Controller of Accounts (Air Dehra Dun.)	Defence Force

Shri K. Govindankutty Nair has been granted 55 days earned leave from 7-10-74 to 30-11-74 preparatory to his retirement.

S. K. SUNDARAM,  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 7th September 1974

No. 18(1)/73-CLBII/A.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 12 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962 and with the previous sanction of the Central Government and in supersession of the Textile Commissioner's Notification No. 7(1)/63-Control dated 20th November, 1964, I hereby authorise all the officers in the office of the Textile Commissioner at Headquarters and in the Regional Offices, not below the rank of an Assistant Director or an Assistant Enforcement Officer to exercise on my behalf the powers of the Textile Commissioner under Clause 10 of the said order.

No. 18(1)/73-CLB II/B.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerlooms), Control Order, 1956 I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 4/1761-Control, dated the 31st January, 1961, namely :—

In the Table appended to the said Notification, for the existing entry, under column 2, the following entry shall be substituted namely :—

"All Officers in the Office of the Textile Commissioner at Headquarters and in the Regional Offices not below the rank of an Assistant Director or an Assistant Enforcement Officer."

G. S. BHARGAVA,  
Joint Textile Commissioner.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 4th September 1974

No. A-1/1(899).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri N. B. Dutta, Superintendent in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Administration) (Grade II), in the office of the Deputy Director General, Supplies & Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 12th August, 1974 and until further orders.

The 5th September 1974

No. A-1/1(949)/73.—The President is pleased to appoint Shri G. L. Chandra, Machine Supervisor and Shri H. S. Bhasin, Senior Economic Investigator to officiate on *ad-hoc* and temporary basis as Assistant Director (Information Retrieval) (Grade I), in the Directorate of Supplies and Disposals, Bombay and in the office of the Deputy Director General (Supplies & Disposals), Calcutta with effect from 28-3-1974 and 9-8-1974 respectively and until further orders.

S. K. JOSHI, Dy. Director (Admin.).

DEPARTMENT OF SUPPLY

(Admn. Branch A-6)

New Delhi, the 6th September 1974

No. A-6/247(43)/73.—Shri V. V. Rangnekar Dy. Director of Inspection, Bombay in the Engg. Branch of Grade II, of the Indian Inspection Services, Class I under the Directorate General of Supplies & Disposals retired from Govt. service in the afternoon of 31-7-74, on attaining the age of superannuation.

S. K. JOSHI,  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

Geological Survey of India

Calcutta-13, the 6th September 1974

No. 3(7)/71(TP)/19B. 3720B.—Shri T. Pundarikakshudu is appointed as Asstt. Mechanical Engineer in the Geological Survey of India, in the minimum of the pay of Rs. 350/- per month in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th June, 1974, until further orders.

No. 2181(PCM)/19B. 3718B.—Shri Prayag Chandra Mandal, M.Sc., S.T.A. (Chem.), Geological Survey of India is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 3rd July, 1974, until further orders.

The 10th September 1974

No. 2222(RNS)/19A. 3849B.—Shri Radha Nand Singh, is appointed as an Asstt. Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14-6-1974, until further orders.

The 12th September 1974

No. 2222(SKA)/19A. 3891B.—Shri Satyendra Kumar Awasthi, is appointed as an Asstt. Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15th July 1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN,  
Director General.

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 6th September 1974

No. C-4899/718-A.—Shri J. P. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office who was appointed to officiate in the post of Establishment and Accounts Officer

(GCS Class II) in the Indian Photo-interpretation Institute, Dehra Dun, vide this office Notification No. C-4828/718-A dated the 30th April, 1974 is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer in the Indian Photo-interpretation Institute, Survey of India, Dehra Dun on a regular basis with effect from the 5th August, 1974, until further orders *vice* Shri H. L. Nanda, Establishment and Accounts Officer proceeded on leave preparatory to retirement.

HARI NARAIN,  
Surveyor General of India,  
(Appointing Authority).

**DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 13th September 1974

No. 15/7/72-Vig.—Consequent on his reversion from the post of Extension Officer, Family Planning, All India Radio Tiruvandrum, to his cadre post of Assistant News Editor, at the same Station, Shri C. S. Pillai has relinquished the charge of the post of Extension Officer, Family Planning on the forenoon of 5th August, 1974.

HARJIT SINGH,  
Deputy Director Administration,  
*for* Director General.

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 7th September 1974

No. F.34-43/73-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. T. K. Basu, an officer of G.D.O. Gr. I of the C.H.S., relinquished the charge of the post of Medical Officer under the Central Government Health Scheme, Delhi, on the afternoon of 31st July, 1974 and assumed the charge in the same capacity at the Safdarjung Hospital, New Delhi on the forenoon of 1st August, 1974.

G. PANCHAPAKESAN,  
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 10th September 1974

No. 9-1/74-Admn.I.—The Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services is pleased to accept the resignation from service of Kumari Bimla Masih, Tutor, College of Nursing, New Delhi, with effect from the afternoon of the 31st December, 1973.

No. 27-4/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Krishanlal Hiralal Kanoujia, to the post of Assistant Entomologist, at the Regional Filaria Training and Research Centre, National Institute of Communicable Diseases, Calicut, on the forenoon of 10th June, 1974.

Consequent on the appointment of Shri Kanoujia to the post of Assistant Entomologist Shri M. S. Bendle, relinquished charge of the post of Assistant Entomologist at the same Centre, on the forenoon of 10th June, 1974.

The 12th September 1974

No. 11-3/74-Admn.I.—In continuation of this Directorate's notification No. 11-3/74-Admn.I(B) dated the 15th July, 1974, the President is pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for the following periods:—

- (i) From the forenoon of the 1st June, 1974 to the afternoon of the 18th June, 1974;
- (ii) From the forenoon of the 20th June, 1974 to the afternoon of 2nd August, 1974.

The President is also pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, as Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services for the above periods.

9—266GI/74

No. 11-3/74-Admn.I(C).—In continuation of this Directorate's notification No. 11-3/74-Admn.I(C) dated the 16th July, 1974, the President is pleased to appoint Shri K. C. Misra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for the following periods:—

- (i) From the forenoon of the 1st June, 1974 to the afternoon of 29th July, 1974;
- (ii) From the forenoon of 31st July, 1974 to the afternoon of 2nd August, 1974.

The President is also pleased to appoint Shri K. C. Misra, as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above periods.

No. 17-52/72-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Indianil Chakraborti as Junior Analyst in the Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad on *ad hoc* basis from the forenoon of the 14th November, 1972 to the afternoon of the 8th May, 1974.

2. The Director General of Health Services is further pleased to appoint Shri Indianil Chakraborti in the same post on a temporary basis with effect from the forenoon of the 9th May, 1974 and until further orders.

S. P. JINDAL  
Deputy Director Administration

**MINISTRY OF AGRICULTURE**

**DEPARTMENT OF AGRICULTURE**

**DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Nagpur, the 1974

No. F.74/15/72-D.I.—In partial modification of notification as F.74/15/73-D.I. Dt. 4-7-73, published in the Gazette of India Part III, Section I dated 21-7-1973 (Pages 1843 to 1844) the name of Shri S. P. Bhasin, Assistant Marketing Officer wherever occurring in the said notification may be treated as *cancelled*.

The 11th September 1974

No. F.3(13)52/74-D.II(Vol. II).—In exercise of the powers conferred by the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Customs Notifications Nos. 48 dated the 24th May, 1954, No. 173 dated the 29th December, 1954 and No. 5 dated the 14th January, 1961, I hereby authorise Shri G. Gopala Rao, Dy. Senior Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of the notification, in respect of Wool, Bristles & Goat Hair which have been graded in accordance with the Wool Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962, Bristles Grading and Marking (Amendment) Rules, 1973 and Goat Hair Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962 respectively and the export of which is subject to the provisions of the above notifications.

**DEPARTMENT OF COOPERATION**

The 9th July 1974

No. F.74/15/72-D.I.—I, N. K. Muralidhara Rao, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (1) SRO 3184 dated the 28th December, 1956 (2) 83 dated the 29th July, 1961 (3) 3752 dated the 26th December, 1955 and (4) 157 dated the 22nd June, 1963, hereby authorise Shri G. H. Dhanakar Assistant Marketing Officer, Directorate of Marketing and Inspection, Sub-Office Kanpur to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification in respect of (1) Sandalwood Oil (2) Palmarosa Oil (3) Lemongrass Oil (4) Vetiver Oil, which have been graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marketing Rules, 1954, as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

The 11th September 1974

No. F.4-5(26)/74-A I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission Shri J. K. Bhattacharya has been appointed as Marketing Development Officer (Cold Storage Refrigeration) on the officiating basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Madras with effect from 13-8-1974 (F.N.) until further orders.

The 13th September 1974

No. F.74/15/72-DI.—I. N. K. Muralidhara Rao, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (1) SRO 3184 dated the 28th December, 1956 (2) 83 dated the 29th July, 1961 (3) 3742 dated the 26th December, 1955 and (4) 157 dated the 22nd June, 1963, hereby authorise Shri A. C. Guin, Assistant Marketing Officer, Directorate of Marketing and Inspection, Sub-Office, Kanpur to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification in respect of (1) Sandalwood Oil (2) Palmaosa Oil (3) Lemongrass Oil (4) Vetiver Oil, which have been graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marking Rules, 1954 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

N. K. MURALIDHARA RAO,  
Agricultural Marketing Adviser.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

RECRUITMENT SECTION, CENTRAL COMPLEX

Bombay 400 085, the 24th August 1974

No. PA/79(9)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Nagarajan Venkatasubramanian, a permanent Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Administrative Officer I on a temporary basis in the same Research Centre with effect from the forenoon of June 1, 1974 upto the afternoon of July 15, 1974 vice Kum II B Vijayakar Administrative Officer I on a granted leave.

No. PA/79(11)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Rose Cherian, a permanent Stenographer (Sr.) in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer on a temporary basis in the same Research Centre, with effect from the forenoon of July 19, 1974, until further orders.

The 29th August 1974

No. PA/79(11)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Waman Sakharam Dixit, a permanent Upper Division Clerk and a temporary Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of May 30, 1974, upto the afternoon of July 18, 1974.

The 30th August 1974

No. PA/79(9)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pandurang Sambhav Mokhasi, a permanent Stenographer (Sr.) in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of March 1, 1974, upto the afternoon of May 24, 1974.

P. UNNIKRISHNAN,  
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 3rd September 1974

No. R APP/04831/3/68/65.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project, is pleased to appoint Shri D. K. Sen, Accounts Officer, of office of the Accountant General, Ranchi (Bihar), as Accounts Officer in this project at plant site (Rawatbhata) with effect from the forenoon of 10th August, 1974 until further orders.

GOPAL SINGH,  
Administrative Officer (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 9th September 1974

No. A-32014/1/74-ES.—Shri R. Montes, Senior Instructor Link Trainer, Civil Aviation Department, has been granted earned leave for 99 days as leave preparatory to retirement with effect from 24th June 1974 with permission to prefix Sunday the 23rd June 1974 to his leave.

At the end of the leave Shri R. Montes will retire from Government service with effect from the 1st October 1974.

S. GUPTA,  
Assistant Director Administration

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th August 1974

No. F(I)00893.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Sant Prasad as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Class II (Central Service, Class II) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st August, 1974 and until further orders.

Shri Sant Prasad has been posted in the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

NOOTAN DAS,  
Meteorologist  
for Director General of Observatories.

## COLLECTORATE OF CUSTOMS &amp; CENTRAL EXCISE

Nagpur, the 5th September 1974

No. 9/74.—On appointment as Assistant Collector, Shri Onkar Nath, lately posted as Superintendent of Central Excise Class I, in Baroda Collectorate assumed charge as Assistant Collector of Central Excise in Hqrs. Office, Nagpur, in the forenoon of 27th July, 1974.

R. N. SHUKLA,  
Collector  
M. P. & Vidarbha, Nagpur.

Cochin-3, the 4th July 1974

(CENTRAL EXCISE WING)

C. No II/3/11/74-Estt. I.—Shri V. K. Chacko, Inspector of Central Excise (Senior Grade) of this Collectorate has been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Class II Kayamkulam M.O.R. with effect from the afternoon of the 6th June, 1974.

G. SANKARAN,  
Collector,

## OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER SALAL HYDRO ELECTRIC PROJECT JYOTIPURAM

Jyotipuram, the 2nd September 1974

No. CESP/EC-48/74-Gaz/16022-34.—Shri Kuldip Raj Sawhney, an officer of J&K Govt. is appointed on deputation as Assistant Engineer on *ad hoc* basis with effect from 29th July, 1974 for a period of six months.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Chief Engineer

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION  
(WATER WING)

New Delhi, the 5th August 1974

No. A-19012/430/73-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-19012/430/73-Adm.V., dated the 13th June, 1974, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri S. Guha, Research Assistant to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period of three months with effect from 10-7-74 to 9-10-74 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 7th September 1974

No. A-19012/394/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri P. C. Jain, Senior Professional Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Statistics) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) on a purely temporary and *ad hoc* basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 5-6-74 to 2-1-75 or till the regular incumbent of the post Shri D. P. Mishra returns from deputation and rejoins his duties as Extra Assistant Director in this Commission whichever is earlier.

Shri P. C. Jain took over charge of the office of EAD (Statistics) C.W. & P.C. (WW.) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON  
Under Secretary,  
for Chairman, C.W. & P. Commission.

## NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 29th August 1974

No. 17.—Sarva Shri Sukhdev Singh Brar and Harbansh Rai, (Released Emergency Commissioned Officers) working as Assistant Security Officer in Class II service of the Railway Protection Force, (Security Department), Northern Railway are confirmed in class II service in that Department of this Railway with effect from 7-5-70 and 16-7-71 respectively.

C. S. PARAMESWARAN  
General Manager.

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Paramount Rubber Co. Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 24694/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Paramount Rubber Co. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Agency Advertising Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 23714/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Agency Advertising Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Grey Hound Transport Company of India Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 27668/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Grey Hound Transport Company of India Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Kisan Mitra Fertiliser Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 26705/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kisan Mitra Fertiliser Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Monmohan Oil Mills Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 23603/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Monmohan Oil Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Gulabroy Kashinath Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 22097/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gulabroy Kashinath Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Bildrite Constructions Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 27413/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bildrite Constructions Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Paper Stores Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 13804/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Paper Stores Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Everst Cine Corporation Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 21820/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Everst Cine Corporation Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCOR  
Asstt. Registrar of Companies,  
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Narottamdas Maganlal Agriculture Private Limited.*

Ahmedabad, the 6th September 1974

No. 410/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Narottamdas Maganlal Agriculture Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA,  
Registrar of Companies,  
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Tirhut Financing Corporation Private Limited*

Patna, the 7th September 1974

No. 6(677)73-74/2714.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Tirhut Financing Corporation Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Ranchi Textile Mills Limited.*

Patna, the 9th September 1974

No. 2(214)74-75/2790.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Ranchi Textile Mills Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Chotanagpur Plastics Private Limited.*

Patna, the 9th September 1974

No. 1(884)/74-75/2770.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Chotanagpur Plastics Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL,  
Registrar of Companies,  
Bihar.

## FORM ITNS

(2) Shri Pradyumnakumar Jethalal Damany  
3, Gautamnagar, Race Course Circle  
Baroda

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009, the 28th August 1974

Ref No PR 142/Acq 23-208/6-1/74-75—Whereas, I, P N Mittal being the competent authority under Sec. 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Open land bearing Plot No 10 out of Survey No 525, situated at near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 29-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Lodge Tyrrell Keith No 43  
through its Managing Trustee,  
Shri Manubhai Dahyabhai Purohit  
Advocate Syajji-gam, Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No 10 out of Survey No 525 admeasuring 5166 Sq ft near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, as described in Sale Deed bearing registration No 317 of January 1974—Registering Officer Baroda

P N MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date 29th August 1974

Seal :

## FORM IINS.—

(2) S/Shri Hemant Gordhanbhai Patel  
Gordhanbhai Hathibhai Patel  
Padia Road, c/o Dinesh Mills Ltd., Baroda

(Transferee)

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 28th August 1974

Ref No PR 143/Acq 23 209/6-1/74-75—Whereas, I, P N Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Open land bearing Plot No 11 out of Survey No 525 situated near Sampatia Colony, Race Course Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 29-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Lodge Tyrell Leith No 43,  
through the Managing Trustee,  
Shri Manubhai Dihabhai Puriot  
Advocate Syriq-e-inj, Baroda

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Open land bearing plot No 11 out of Survey No 525 admeasuring 5166 Sq ft near Sampatia Colony Race Course Road Baroda, as described in Sale Deed bearing Registration No 315 of January 1974—Registering Officer, Baroda

P N MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date 28th August 1974

Seal

## FORM I (INS)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th August 1974

Ref. No. CR.62/2076/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises bearing No. 27 (old No. 20) situated at Cubbon Road, Civil Station, Bangalore-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 25-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) 1. Kumari Mariyam Bagum Raza alias Bibi Mashala,

2. Mrs. Sahzadha Begum Shushtary,  
"Saadat Gardens" No. 13, Aga Abdulla Road,  
Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Gruha Nirmana Sahakara Sangha, Ltd.,  
No. 30/1, Vani Vilas Road,  
Bangalore.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land together with buildings, out-houses and other constructions standing thereon in the Premises No. 27 (old No. 20) Cubbon Road, Civil Station, Bangalore vide schedule of the sale deed No. 3618 dated 25-1-1974 (Site measuring 17,670 sq. ft.)

## BOUNDARIES

East : No. 21, Cubbon Road, 190'  
West : Premises of Shri M. Saryothama Rao, 190'  
North : No. 34, Infantry Road, 98'.  
South : Cubbon Road. 88'.

Document No. 3618 dated 25-1-74.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28th August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

(3) 1 Shri P. Gopala Nair  
 2 Shri R. B. Sanyashi  
 3 Shri Abdul Fazal  
 4 Shri S. K. Datta

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises bearing Nos 154, 155, 156 and 157 Chick Bazaar Road Bangalore (6, 7 and 7A, Modi Majid Road, Civil Station, Formerly known as No 1 Chick Bazaar Road)

Cellar floor—320 squares

Ground floor—2444 squares (Site measuring 4,416 sft)

First floor—2266 squares

#### BOUNDRARIES

North Modi Majid Road.

South Chick Bazaar Road

East Mullia Naidu's property

West Queen's Road

Document No 3517 dated 18-1-1974

**R KRISHNAMOORTHY**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bangalore

Date 28th August 1974

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
 BANGALORE-27

Bangalore-27 the 28th August 1974

Rcf No C R 62/2100/73 74/ACQ(B)—Whereas, I, R Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Premises bearing Nos 154, 155, 156 and 157 situated at Chick Bazaar Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Shivajinagar, Bangalore on 18-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri V. N. Shankar S/o, Sri V. S. Natarajan  
 No 6 Buleton Road Bangalore 25  
 (Transferor)

(2) Miss T. M. Shivashankari  
 D/o Sri T. N. Manikavelu,  
 37 Nehru Circle, Nehru Nagar Bangalore-29.  
 (Transferee)

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
JHANIDHOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th August 1974

Ref. No. PR.145/Acq.23-211/6-2/74-75 —Whereas, J. P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land bearing Plot No 13 out of Survey No. 525 situated near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baroda on 29-1-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

10—266GI/74

(1) Lodge Tyrell Leith No. 43,  
through its Managing Trustee,  
Shri Manubhai Dahyabhai Purohit,  
Advocate, Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Chanchiben Ambalal Patel,  
Lokhandvala Building, Pratapnagar,  
Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 13 out of Survey No. 525, area being 5049 Sq. ft. situated near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda as described in Sale Deed bearing Registration No. 313 of January 1974 or Registering Officer, Baroda

P. N. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date 28th August 1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th August 1974

Ref. No. PR.148/Acq.23-214/6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open land bearing Plot No. 16 out of Survey No. 525 situated near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baroda on 29-1-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Lodge Tyrrell Leith No. 43, through its Managing Trustee, Shri Manubhai Dahyabhai Purohit, Sayaji-ganj, Baioda.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Kashibhai Patel, near Sardar Bhavan, Jubilee Garden, Baroda.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 16 out of Survey No. 525 admeasuring 4836 Sq. ft. near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda as described in Sale Deed bearing Registration No. 319 of January 1974 of Registered Officer, Baroda.

P. N. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II.

Ahmedabad.

Date : 28th August 1974

Seal :

## FORM ITNS

(1) Lodge Tyrrell Leith No. 43,  
through its Managing Trustee,  
Shri Manubhai Dabyabhai Purohit,  
Advocate, Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

(2) S/Shri Chandrakant Satyendraprasad Nagarsheth,  
Shailesh Chandrakant Nagarsheth,  
Pratap Road, Raopura, Baroda.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th August 1974

Ref. No. PR.149/Acq.23-213/6-1/74-75.—Whereas, I,

P. N. Mittal,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No.

Open land bearing Plot No. 15 out of Survey No. 525  
situated near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under  
the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
Office of the Registering Officer  
at Baroda on 29-1-1974.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 15 out of Survey No. 525 near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, measuring 5084 Sq. ft. as described in Sale Deed bearing Registration No. 311 of January 1974—Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 28th August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2027/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, 19th Cross situated at Malleswaram, Bangalore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajajinagar, Bangalore-10 on 2-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. V. N. Acharya,  
S/o Late Sri G. Srinivasa Murthy,  
No. 1028, 5th Block Rajajinagar,  
Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shri B. P. Sridhar,  
S/o Shri B. A. Parthasarathy Iyengar,  
No. 8, 9th Cross Road, Malleswaram,  
Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Corporation No. 9 (Municipal No. 29/580 old) 19th Cross, Malleswaram, Bangalore-3 (Site measuring 6,825 Sq. ft.)

East to West 65 ft North Facing  
North to South 105 ft. South Conservancy

Document No. 3944, dated 2-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

(2) Sushil Kumar &amp; others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow the 4th September 1974

Ref. No. 34-S/Acq.—Whereas, L. K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the Competent

Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nil situated at Aminabad, Lucknow (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 14-1-1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Saidunnisa & others.

(Transferor)

(3) Shri Sugnamal.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed building measuring 55×15 is situated at Aminabad, Lucknow.

K. N. MISRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Lucknow

Date : 4-9-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Fattima Bhai Jafar Ali Rahim,  
Moonlight Church Gate Reclamation,  
Bombay.  
Iowa Avenue Toronto, Ontario,  
Canada, M4C, 4K9.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1  
123, MOUNT ROAD-MADRAS-6

Madras-6, the 2nd September 1974

Ref. No. F. IX/5/75/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 254/256 situated at N.S.C. Bose Road, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer,

at SRO, Sowcarpet on January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Sri A. N. Kuppuswamy Chetty,  
22, Ellakandappan Street, Edapalayam,  
Park Town, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building—254/256, N.S.C. Bose Road, Madras-1. 1645 sq. ft. R S. No. 11029.

K. V. RAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1,  
Madras-6

Date : 2-9-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Laxmi Asbestos Products Ltd.,  
Shreeniwas House, Waudby Road,  
Fort, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Shyam Sunder Kasat,  
C/o Andhra Pradesh Paper Mills Ltd.  
Shreeniwas House, H. Somani Marg,  
Bombay.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III  
AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd September 1974

Ref. No. A.R.III/425/74-75.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 162, Survey No. 161 situated at Goregaon (West) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar's Office on 21-1-1974.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground being Plot No. 162 situate lying and being on the Village Pahadi Goregaon (West) Taluka Borivali in the Registration Sub-District Bandra District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing S. No. 161 (Part) and admeasuring 950 sq. yds. equivalent to 794.32 metres and bounded as follows: that is to say on or towards the West by Plot No. 172 on or towards the East by 30 feet wide Road on or towards the North partly by Plot No. 163 and on or towards the South by 60 feet wide Mahatma Gandhi Road.

R. G. NERURKAR  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Date: 21-9-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd September 1974

Ref. No. A.R./III/412/74-75.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 177, Survey No. 161 situated at Goregaon (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar's Office Bombay on 21-1-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Dated : 1st August, 1974

(1) M/s. Laxmi Asbestos Products Ltd.,  
Shreenivas House, 4th floor,  
Hazarimal Somani Marg,  
Fort, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Govindas Gangadas Mehta,  
75/79 Old Hanuman Lane,  
Bombay-2.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 177, Survey No. 161, M.G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-62, Area—1360 sq.yds.

R. G. NERURKAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Date : 2-9-1974

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Motibhai Narenbhai Patel, Alka,  
Marve Road, Malad (West), Bombay-64.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX  
ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd September 1974

Ref. No. A.R./III/456/74-75.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 24, Hissa No. 7 situated at Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sub-Registrar's Office Bombay on 15-1-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the, transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

11—266GI/74

(2) M/s Paras Builders,  
1/14A, Harharwala Bldg.,  
S.V.P. Road, Bombay-4.

(Transferee)

(4) Kum. Vimlaben K. Patel, C/o Bhudhadas Chemical,  
Moti Udyog, Ramchandra Lane, Malad, Bombay-64.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcels of vacant land or ground being Survey No. 24, Hissa No. 7, (part), Plot No. 13B, part of Moti Udyog Nagar being new C.T.S. No. 348, part situate lying and being at village Valur (Malad) in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, Taluka Borivali District Bombay Suburban now in Greater BOMBAY containing by admeasurement total area of 765 square yards equivalent to 639.64 square metres or thereabouts and bounded as follows (that is to say on or towards the North by property bearing Survey No. 24 Hissa No. 5, on or towards the South by Road, on or towards the East by Survey No. 24, Hissa No. 7 and on or towards the West by Survey No. 24 Hissa No. 7 (part).

R. G. NERURKAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 2-9-1974

Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd September 1974

Ref. No. AR-II/958/1998/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 2A, H. Nos. 4, 6A, 6B & 20 City S. No. 120, S. No. 2A, H. Nos. 5A & 5B & City S. No. 120 situated at Juhu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bombay on 25-1-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269 C 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the

- (1) Smt. Chandrabai A. B. Nair  
(Transferor)
- (2) The International Society for Krishna Consciousness  
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

**FIRST :** ALL THOSE pieces or parcels of Non-agricultural land admeasuring about 14,352 square yards equivalent to 12,056 square metres or thereabouts with buildings and structures standing thereon bearing Survey No. 2A, Hissa Nos. 4, 6A, 6B and 20 and City Survey No. 120 in Juhu Village in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban in Greater Bombay and bounded on the West partly by the Road and partly by S. No. 2A Hissa Nos. 5A and 5B on the East by a Kharli i.e. Creek (Survey No. 70-A) on the North by Survey No. 3, Survey No. 2A, Hissa Nos. 7B, 7A and Survey Nos. 3B and 3A and on the South by Survey No. 2A, Hissa Nos. 2 and 3 and delineated on the plan hereof hereto annexed and marked thereon surrounded by a red coloured boundary line and assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under K Ward Nos. 10099 R/273, K-10161 (13) K-10162 (1 to 3) and K-10163 (1 to 3).

**SECOND :** All those pieces or parcels of land admeasuring about 5657 square equivalent to 4752 square metres or thereabouts bearing Survey No. 2A Hissa Nos. 5A and 5B and City Survey No. 120 in Juhu Village in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban in Greater Bombay and bounded on the West by the Road, on the East by Survey No. 2A Hissa Nos. 4, 6A and 6B, on the North by Survey No. 2A, Hissa No. 2C and on the South by Survey Nos. 2A Hissa No. 3 and delineated on the plan thereof hereto annexed and thereon surrounding by a green coloured boundary line assessed by Greater Bombay Municipal Corporation of Greater Bombay under K ward No. 10163(5) K-10100(2) K-10100(1) and K-10160.

V. R. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Date : 2-9-1974  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
 GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE  
 60/61 Erandawana KARVE ROAD,  
 POONA-411004

Poona-411004, the 28th August 1974

Ref No C A 5/Kalyan/January'74/133/74-75—Whereas I G Krishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S No 113, Plot No 5 Mouje Dombivli situated at Dombivli Dist Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalyan on 30th Jan 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) Shri Vithal Govind Kamatkar  
 C/o Dr R V Kamatkar,  
 At and Post Deorukh Dist Ratnagiri  
 (Transferor)
- (2) Shri Shrikant Manohar Bhandarkar,  
 Raviprabha, Shastrynagar Dombivli (West),  
 Dist Thana  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

S No 113, Plot No 5, Mouje Dombivli with house  
 Built in 1965 Ground floor Free-hold  
 Built-up area 476 Sq yds  
 Total Area 2327 Sq yds

G. KRISHNAN  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,  
 Poona

Date 28-8-1974

Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME  
TAX, ACQUISITION RANGE IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 31st August 1974

Ref. No. AC-95/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Holding No. 74 situated at Bhatpara Municipality, 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 14-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s Hindustan Wire and Metal Products Ltd.  
Nicco House 1 and 2 Hare St.  
Calcutta-1.

(Transferor)

(2) The National Insulated Cable Co. of India Ltd.  
(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory Premises and lands, area . Bigha 19 Kottah 3 chhatacks 22 Sq. ft. more or less being Holding No. 74 Bhatpara Municipality, 24-Parganas, Factory shed, vacant lands and Machinery more particularly described in the Instrument of Transfer.

GEORGE VARGHESE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta, the 27th August 1974

Ref. No. AC-94/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the competent authority under section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Dag No. 38, 146, 41, 70, 88, 89 situated at Bhatra, Barasat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer, Sub-Registrar of Barasat on 10-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Animesh Chandra Chakravorty,  
S/o Late Prabodh Chandra Chakravorty,  
Vill-Bhatra Ramesh Pally, Barasat.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Amulya Chandra Paul, Gopinath Paul,  
Padal Kumar Paul and Amelendu Paul all of Vill.  
Bhatra Pally, Barasat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

8½ decimal of land at Dag Nos. 38, 146, 41, 70, 88, 89 Bhatra, Barasat with building thereon as described in the Instrument of Transfer.

GEORGE VARGHESE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Calcutta

Date : 27-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD-MADRAS-6

Madras-6, the 30th August, 1974

Ref. No. F. 887/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. I situated at Adyar Bridge Road, Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on 10-1-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri S. K. Habibullah & Shri M. S. Kasiviswanathan, No. 20B, Greenways Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) Shri K. Purushothaman, Madras Aluminium Ltd., Mettur, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 3 grounds and 27 Sft. bearing R. S. No. 4274/1 Part situated at Plot No. 1, Adyar Bridge Road, Madras-28.

A RAGHAVENDRA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2,  
Madras-6

Date : 30th August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri S. V. Mani,  
24, Mada Church Road, Santhome,  
Madras-28.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD-MADRAS-6

Madras-6, the 30th August 1974

Ref. No. F. 1107/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, R.S. No. 4274/1 of Mylapore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Mylapore on 22-5-74 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri S. K. Habibullah &  
Shri M. S. Kasiviswanathan,  
No. 20B, Greenways Road  
Madras-28.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereto shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 2 grounds and 2398 Sft. bearing Plot No. 2 in L.A. No. 37 of 1966 and comprised in R.S. No. 4274/1 of Mylapore, Madras.

A RAGHAVENDRA RAO  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2,  
Madras-6

Date : 30th August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTL/AP-1129/74-75.—Whereas, J. D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 5150 of January, 1974 situated at South East of Vill. Falzpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaswant Singh  
s/o Shri Natha Singh  
s/o Shri Phulla Mal  
V. Faizpur, Tch. Batala.

(Transferor)

(2) Shri Kasturi Lal, Sukhdev Kumar  
s/o Shri Sunder Dass Aggarwal  
s/o Shri Bansi Lal  
c/o Sansar Engg. Co.  
Attwal Road, Batala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5150 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Roshan Singh  
s/o Shri Bachitter Singh,  
Mohalla Suraj Ganj,  
Jullundur.

(Transferor)

(2) Dr. Ram Pal  
s/o Shri Sham Sunder,  
304, Lajpat Nagar,  
Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP/-1130/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8659 of January, 1974 situated at Plot No. 30 Shaheed Udhamp Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

12—266GI/74

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 30, Shaheed Udhamp Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 8659 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1131/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8609 of January, 1974 situated at Plot No. 55 Shaheed Udhampur Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roshan Singh,  
s/o Shri Bachitter Singh,  
W.G. 617, Suraj Ganj,  
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Sewa Singh Chadha,  
s/o Shri Jagat Singh  
of V. Chogiti, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 55, Shaheed Udhampur Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 8609 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range.  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Hari Ram s/o Shri Sardari Ram  
s/o Shri Jog Ram  
R/o Dheengawali, Teh. Fazilka.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

ReL. No. ASR/JUL/1132/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2003 of January, 1974 situated at V. Dheengawali, Teh. Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in January 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nura Ram s/o Shri Kesra Ram  
s/o Shri Jodha Ram  
R/o Dheengawali Teh. Fazilka through Shri Jagdish  
s/o Sri Ram  
R/o Bodhiwala Peetha, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2003 of January, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

**D. S. GUPTA**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Abohar/AP-1134/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2004 of January, 1974 situated at V. Dheengawali Teh. Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Abohar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Leelu Ram s/o Shri Asa Ram  
R/o V. Deengawali Teh. Fazilka  
through Shri Jagdish s/o Sri Ram  
R/o Bodhiwala Peetha Teh. Fazilka.

- (2) Shri Sopat Ram s/o Shri Sardara Ram  
s/o Shri Jag Ram  
R/o Dheengawali Teh. Fazilka.
- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2004 of January 1974 of the Registering Authority, Abohar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Abohar/AP-1134/74-75.—Whereas, I, D.S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2004 and 2076 of January, 1974 situated at V Dheengawali Teh. Fazilka, Abohar in January 1974, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Abohar in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Leelu Ram s/o Shri Asa Ram  
R/o V. Deengawali teh. Fazilka  
through Shri Jagdish s/o Sri Ram  
R/o Bodhiwala Peetha Teh. Fazilka

(Transferor)

(2) Shri Sopat Ram & Khiali Ram  
s/o Shri Sardar Ram s/o Shri Jag Ram  
R/o V. Dheengawali Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2004 & 2075 of January, 1974 of the Registering Authority, Abohar,

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Abohar AP-1135/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2051 of January, 1974 situated at V. Sukhchain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Abohar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Shokaram Alias Shiv Karan  
s/o Shri Bhajan Lal s/o Chetan  
t/o V. Sukhchain Teh. Fazilka.  
(Transferor)
- (2) Shri Sohan Lal s/o Shri Chetan  
s/o Shri Daya Ram  
R/o Sukhchain Teh. Fazilka.  
(Transferee)
- (3) As at 5. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2051 of January, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sohan Lal s/o Shri Chetan Lal  
s/o Shri Daya Ram  
R/o Sukhchain Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Smt. Pari Wd/o Shri Bhajan Lal  
s/o Shri Khetan Ram  
R/o Sukhchain Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Abohar/AP-1136/74-75.—Whereas, I. D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2052 of January, 1974, situated at V. Sito and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2052 of January, 1974 of the Registering Authority Abohar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No ASR/Muktsar/AP 1137/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No 3357 of January, 1974 situated at V. Charewan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Muktsar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gajjan Singh s/o Shri Thakur Singh & Harnam Kaur, Tejo D/o Shri Thakur Singh R/o Charehwan Teh. Muktsar. (Transferor)
- (2) Shri Bohar Singh, Pipal Singh, Balwinder Singh S/o Shri Jag Singh i/o Charehwan Teh. Muktsar. (Transferee).

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3357 of January, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Muktsar/AP-1138/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3356 of January, 1974 situated at V. Charchwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Gajjan Singh s/o Shri Thakur Singh, Harnam Kaur, Tejo Ds/o Shri Thakur Singh s/o S. Deedar Singh R/o Charchwan Teh. Muktsar. (Transferor)

(2) Smt. Sant Kaur w/o Shri Hakam Singh s/o Shri Deedar Singh & Roor Singh, Joginder Singh SS/o S. Hakam Singh R/o Charchwan Teh. Muktsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) As at S. No. 2 above [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3356 of January, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP-1139/74-75 —Whereas I, D. S. Gupta,

being the competent

authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3427 of January, 1974 situated at Lohgarh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in January 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Tika Dai wd/o Shri Kidar Nath & Shri Dharam Chand s/o Shri Kidar Nath Kucha Piara Mal, Inside Lohgarh Gate, Amritsar & Shri Ram Parkash, Kewal Kishan, Vinod Kumar SS/o Shri Kidar Nath, Amritsar (Transferor)

- (2) Smt. Janak Wati w/o Shri Puran Chand R/o Chawki Passian, Gali Matti Wali, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3427 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date 31st August 1974

Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref No ASR/AP-1140/74-75 —Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 3428 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar situated at Lohgarh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt Tika Dai wd/o Shri Kidar Nath & S/Shri Dharam Chand Ram Parkash Kewal Kishan, Vinod Kumar SS/o Shri Kidar Nath, Kucha Pura Mal Inside Lohgarh, Amritsar (Transferor)
- (2) Shri Darshan Lal Sham Sunder SS/o Shri Puran Chand R/o Chowk Passian, Gali Matti Wali, Amritsar (Transferee)
- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3428 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP-1141/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 3427 & 3428 of January, 1974 and 3678 & 3679 of February, 1974 situation at Lohgarh, Amritsar. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred, as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January 1974, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Tika Dai Wd/o Shri Kidar Nath & S/Shri Dharam Chand, Ram Parkash, Kewal Kumar, Vinod Kumar SS/o Shri Kidar Nath Shri Surinder Kumar, Kucha Piara Mal, Inside Lohgarh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Janak Wati w/o Shri Puran Chand Gali Matti Wali Chowk Passian, Amritsar. S/Shri Darshan Lal, Sham Sunder, Kapal Kishore Palmod Kumar, Sudesh Kumar SS/o Shri Puran Chand & Smt. Kamlesh w/o Shri Sudesh Kumar Chowk Passian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deeds. No. 3427 & 3428 of January, 1974 and 3678 & 3679 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974  
Seal :

## FORM ITNS—

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1142/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of Land as mentioned in the Registered Deed No 5326 of January, 1974 situated at Bibiwala Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registrar in Bhatinda in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Bakshi Singh s/o S. Natha Singh, Ram Singh s/o S. Sarwan Singh etc. R/o Kallawali. (Transferor)
- (2) Shri Diwan Chand, Jethu Ram SS/o Shri Arjan Dass R/o Bhatinda. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 5326 of January, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,

Date : 31st August 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1143/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 5327 of January, 1974 situated at Bibiwala Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Bhatinda in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Joginder Singh s/o S. Bakshi Singh s/o Shri Natha Singh & Ram Singh s/o Shri Sarwan Singh etc. R/o Kaliawall. (Transferor).

(2) Shri Diwan Chand, Jethu Ram SS/o Shri Arjan Dass, R/o Bhatinda. (Transferee).

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 5327 of January, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1144/74-75 —Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land as mentioned in the Registered Deed No 8522 of January, 1974 situated at Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharam Pal, Piem Nath, Pawan Kumar, Vijay Kumar, Mohinder Pal S/o Shri Nand Kishore S/o Shri Ram Rakha Mal, EF/225 Mandi Road, Jullundur (Transferor)
- (2) Shri Charanji Lal, Gundial S/o Shri Jagat Ram S/o Shri Dulla Ram R/o Buta Mandi, Jullundur c/o M/s Cargo Trading Co. Near Central Bank of India, Mandi Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated as Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 8522 of January 1974, of the Registering Authority, Jullundur

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/SKT/AP-1145/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1517 of January, 1974 of the Registering Authority Shahkot situated at V. Innowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Amar Singh s/o Paul Singh s/o S. Mohan Singh, V. Innowal, Teh Shahkot. (Transferor)

- (2) S/s Shahkot Rice & General Mills, c/o M/s Ram Parkash Kishan Chand, Shahkot. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Village Innowal as mentioned in the Registered Deed No. 1517 of January, 1974 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Amin Chand s/o Shri Ram Rattan Mandi Maharaj Ganj, Phagwara (Transferor)
- (2) Shri Kida Nath s/o Shri Ram Chand Mehli Gate, Phagwara. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/PHG/AP-1146/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1942 of January, 1974 situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in January 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

14—266GI/74

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1942 of January 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1147/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9077 of January, 1974 situated at Dittu Nangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as for deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Dass s/o Shri Bhagat Ram Kartarpur. (Transferor)

- (2) M/s Janta Rice & General Mills, Prit Nagar, Kartarpur through Shri Amit Lal, Swaran Singh, Pritam Singh partners, Kartarpur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Dittu Nangal as mentioned in the Registered Deed No. 9077 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal .

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR  
Amritsar, the 31st August 1974

Ref No. ASR/BTL/AP-1148/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5186 of January, 1974 situated at Batala West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Dawabia Ram of Batala etc. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar s/o Shri Chuni Lal of Batala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Batala West as mentioned in the Registered Deed No. 5186 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BLT/AP-1149/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5187 of January, 1974 situated at Batala West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Dawabia Ram of Batala etc. (Transferor)
- (2) Shri Charanjeev Lal s/o Shri Chuni Lal of Batala (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated in Batala West as mentioned in the Registered Deed No 5187 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR-BTL/AP-1150/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5097 of January, 1974 situated at Batala West

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in January 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Dawabia Ram of Batala etc. (Transferor)
- (2) Shri Charanjeev Lal s/o Shri Chuni Lal of Batala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated in Batala West as mentioned in the Registered Deed No. 5097 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,

Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTL/AP-1151/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5096 of January, 1974 situated at Batala West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala in January 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Dawabia Ram of Batala etc. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar s/o Shri Chuni Lal of Batala. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Batala West as mentioned in the Registered Deed No. 5096 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Chandulal Balaprasad Dube,  
2. Smt. Pramilabai Chandulal Dube,  
385, South Kusba Peth, Sholapur.  
(Transferor)

(2) Shri Ramayya Kondavya Kondale,  
267/67, Raviwar Peth, Sholapur.  
(Transferee)

(3) Shri Bhagwan Nathawal Awasekar, Sholapur.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said  
property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the  
objections, if any, made in response to this notice against the  
acquisition of the immovable property will be fixed, and notice  
thereof shall be given to every person who has made such  
objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to  
whom notice is given under the preceding paragraph  
shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I and out of Gat No. 155/3-B at Sholapur.

Area : 2 Acres 0 guntha, out of this common 1/2 portion  
leasehold, bounded as follows :

At East—Land bearing Gat No. 154 of Shri Mogallappa  
Baliam Pogul.

At South—I and of Shri Prabhakar Dube which is sold  
to you (transferee).

At West—Land belonging to us (transferor) of which  
lay-outs and plots have been made and sold

At North—Factory of Shri Arkal.

G. KRISHNAN  
Competent Authority,  
IAC of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona

Date : 28-8-1974

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA

Poona-411004, the 28th August 1974

Ref. No. C.A.5/January'74/Sholapur/132/74-75—Where-  
as, J. G. Krishnan,  
being the competent authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Gat No. 155/3-B at Sholapur  
(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at Sholapur on 4-1-1974  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Income-tax  
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income  
arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or their assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings  
for the acquisition of the aforesaid property in terms  
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I  
hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid  
property by the issue of this notice under sub-section (1) of  
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the  
following persons, namely :—

## FORM JTNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
60/61, ERANDAWANA, KARVF ROAD,  
POONA

Poona-411004, the 27th August 1974

Ref. No. C.A.5/January'74/Sholapur/131/74-75.—Whereas, I. G. Krishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 155/3-B at Sholapur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sholapur on 4-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chandulal Balaprasad Dube,  
2. Smt. Pramilabai Chandulal Dube,  
385. South Kasba Peth, Sholapur.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarayan Rmayya Kondale,  
267/67, Raviwar Peth, Sholapur.  
(Transferee)

(3) Shri Bhagwan Narhar Awasekar, Sholapur,  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land out of Gat No. 155/3-B at Sholapur.  
Area : 2 Acres 0 guntha, out of this common 1/2 portion free-hold, bounded as follows :

At East—Land bearing Gat No. 154 of Shri Mogallappa Baliram Pogul.  
At South—Land of Shri Prabhakar Dube which is sold to you (transferee).  
At West—Land belonging to us (transferor) of which lay-outs and plots have been made and sold.  
At North—Factory of Shri Arkal.

G. KRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona

Date : 27-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Khurshidunissa Begum  
31/2A, Pantheon Road,  
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

(2) M/s. S. I. Property Development (P) Ltd.  
15, Montieth Road,  
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I  
123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 28th August 1974

Ref. No. F. IX/3/277/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing door No. 31/2A, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISRI, Madras in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

15—266GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land—4 grounds in R.S. Nos. 1623/1 & 1624/4, Pantheon Road, Door No. 31/2A.

K. V. RAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 28th August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 28th August 1974

Ref. No. F. IX/3/271/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 31/2A, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRI, Madras in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Md. Kazim Khaleeli,  
31-2A, Pantheon Road,  
Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) M/s. S. I. Property Development (P) Ltd.  
15, Montieth Road,  
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land—15 grounds & 2354 sft. in R.S. Nos. 1623/1 & 1626/4, Door No. 31/2A, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 28th August 1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2028/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1619, 12th Cross, IIInd Stage, Rajajinagar, Bangalore-10 (K.B.G. Bus Road), (2) 190/47, IIInd Cross, Nagappa situated at Block, Lakshminarayananapuram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar Bangalore-10 on 2-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. Doraiswamy  
2. Smt. Salamma,  
No. 190/47, IIInd Cross, Nagappa Block, Lakshminarayananapuram, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri P. Gangappa,  
2. P. Ramaiah,  
Lakkur, Somapura Hobli, Nelamangala Taluk,  
Bangalore-Dist.  
(Transferee)

(3) 1. Shri Ganapathy,  
2. Shri Syed Azam,  
3. Gouyayya,  
[Person(s) in occupation of the property] 1st Property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (1) 1619, 12th Cross, IIInd Stage, Rajajinagar, Bangalore-10 (K.B.G. Bus Road).
- (2) 190/47, IIInd Cross, Nagappa Block, Lakshminarayananapuram, Bangalore.

**Site Measuring**

- 1. 1170 sft.
- 2. 2475 sft.

Document No. 3951, dated 2-1-1974.

**R. KRISHNAMOORTHY**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R. 62/2048/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/8, situated at Lalbagh High Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4 on 2-1-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Haji S. Mohammed Ismail,  
13/8, Lalbagh Road, Bangalore-4.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Abdul Rahim  
2. Shri Abdul Subhan  
3. Shaikh Mahboob  
4. Md. Mustafa and  
5. Shri Abdul Rahman  
No. 10, Srinivasa Colony, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises bearing No. 13/8, Lalbagh High Road, Bangalore. Site Area 7000 Sq. ft. bounded by :

East : Lalbagh High Road.

West : Property belonging to Mrs. Kesarbai Manganlal H. Shah.

North : Property belonging to M. S. Rudrappa and Sons.

South : Property belonging to Mrs. Kesarbai Manganlal H. Shah.

Document No. 3742, dated 2-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,

Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri A. K. Venkatachala Setty,  
S/o Venkataramalah Setty,  
No. 485/15, 18th Main Road,  
IVth 'T' Block, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2025/73-74/Acq(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 458/15 situated at 18th Main Road, IVth 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jayanagar, Bangalore-11 on 8-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri K. S. Gopal-Krishnan,  
S/o Late Shri K. V. Subramnyam,  
No. 485/15, 18th Main Road,  
IVth 'T' Block, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 458/15, situated in 18th Main Road, IVth 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Site area measuring 3750 sft.)

The property consists of ground floor and first floor with garage on a site area measuring 3750 sft.

East : Site No. 471.  
West : 18th Main Road.  
North : Site No. 457.  
South : Site No. 459.

Document No. 3244, dated 8-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2082/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 85/4, VIIIth Cross situated at Wilson Garden, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11 on 18-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Papamma,  
W/o Sri Hanumaiyah,  
85/4, 8th Cross, Wilson Garden,  
Bengalore-27.

(Transferor)

(2) Shrimati V. Ramarathnamma,  
W/o Sri A. K. Venkatachala Setty,  
No. 458/15, 18th Main Road,  
IVth 'T' Block, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferee)

- (3) 1. Shri George W. Banagara,  
2. Shri Syed Gouse,  
3. Shri K. Ramaswamy Reddy,  
4. Shri N. Suryanarayana,  
5. Shri P. S. Srinivasan,  
6. Shri A. S. Muthanna,  
7. Shri Lokkanra,  
8. Shri V. Venkatachalaiah,  
9. Shri Hanumaiyah.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 85/4, 8th Cross, Wilson Garden Bangalore-27  
(Site measuring about 750 sq. ft.)

Document No. 3326, dated 18-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2026/73-74/ACQ/ (B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 85/4, in 8th Cross, Wilson Garden situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Jayanagar, Bangalore-11 on F.N. ended on 15-1-74. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shrimati Papamma,  
W/o Sri Hanumahal,  
85/4, 8th Cross, Wilson Garden,  
Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shrimati V. Ramarathamma,  
W/o Sri A. K. Venkatachala Setty,  
No. 458/15, 18th Main Road,  
IVth 'T' Block, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferee)

- (3) 1. Shri George W. Banagara.
- 2. Shri Syed Gouse.
- 3. Shri K. Ramaswamy Reddy,
- 4. Shri N. Suryanarayana,
- 5. Shri P. S. Srinivasan,
- 6. Shri A. S. Muhanna,
- 7. Shri Lakkanna,
- 8. Shri V. Venkatachalaiah,
- 9. Shri Hanumiah.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storied building No. 85/4, VIIIth Cross, Wilson Garden, Bangalore (Site measuring 1250 Sq. ft.)

Ground floor—11 square each.

1st floor—11 square each.

Hnd Floor—8 squares

Document No. 3266, F.N. ended 15-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## ADVISORY SEMINAR NO. 40

Applications are invited for the following posts

1 One post in Gr II—*Jt Dir, I S S, Deptt of Personnel & I R* (*Post temp likely to continue indef*) (*Resvd for SC to be unreserved if no SC available*) Pay—Rs 1500—60—1800 Age—Pref below 45 yrs EQ—II Cl M A in Stat or Maths or Econ or Deg with Maths or Stat as a subject plus dip obtained after 2 yrs post-grad trg in Stat 8 yrs exp in Stat work/investigation/Res in recog instns or Govt Deppts or Commercial concerns of repute & evidence of originality of field work (ie stat survey report)

2 One Architect Planner, Town & Country Planning Orgn, Works & Housing Min (*Post pmt, apppt on temp basis*) Pay—Rs 1300—60—1600—100—1800 Age—45 yrs EQ Deg in Architecture 7 yrs exp in Arch or Town Planning in respon position

3 One Dy Dir (*Export Promotion*) Indus Dev Min (*Post temp likely to continue indef*) (*Resvd for SC to be resvd for ST if no SC available*) Pay—Rs 1100—50—1600 Age—45 yrs EQ M A in Econ or Com with specialisation in Business Admn/Export Promotion 7 yrs exp in respon capacity in Govt or in an industrial/Business concern of repute in the field of Export Promotion

4 One Asstt Dir (*Physiology*) DG Fashi, Bombay (*Post pmt apppt on temp basis*) Pay—Rs 1100—50—1600 (*Revised*) Age—40 yrs EQ—Master's Deg in Physiology 5 yrs exp in the field of Industl Physiology of which 3 yrs in respon position in any Instt of repute or Govt Deptt dealing with similar problems

5 One Head of Geology Div (*Indian Photo Interpretation Instt*) Surv of India, Deptt of Sc & Tech (*Post pmt*) Pay—Rs 1100—50—1400 (*Pre revised*) Age—45 yrs FO—M Sc in Geolg 10 yrs res and/or teaching exp in Geolg with special ref to Geol Surv & knowledge of techniques of Photo interpretation for Geol Survs

6 One Sr Tech Officer D'te of Prod & Inspec (Naval), Def Min (*Post temp likely to continue indef, and made pmt eventually*) (*Resvd for SC*) Pay—Rs 700—50—1250 (*Likely to be revised*) Age—45 yrs EQ—Deg in Elect Engg with 5 yrs pract exp in operation/repair/maintenance/design of Elect Power machinery & equipment

7 One Supdt in the Data Processing Div, National Sample Surv Orgn, Planning Min (*Post pmt apppt on temp basis*), (*Resvd for SC*) Pay—Rs 550—25—750—EB—30—900 (*Revised*) Age—35 yrs FO—M A in Stat or Maths or Econ or Com (with Stat) Or Deg (with 50% marks) with Maths or Stat or Econ as a subject & Post-grad dip in Stat awarded after 2 yrs trg in recog instn & 2 yrs exp in Data Processing work or card tabulation system

8 One Sr Inv, Office of Asstt Dir, Weights & Measures Bombay (*Post temp likely to continue indef*) Pay—Rs 550—25—750—FB—30—900 Age—30 yrs EQ—M A in Econ or Com & 3 yrs exp of Econ res/investigation

9 One Lecturer in Civil Engg Panjab Engg College Chandigarh (*Post temp likely to continue indef*) (*Resvd for SC*) Pay—Rs 400—30—700/40—1100 Age—35 yrs FO—II Cl Dir in Civil Engg with emphasis on Soil Mechanics & foundation Engg/Highways Engg/Irrigation & hydraulics

Posts 5 Nos 10 to 12 in the Min of Aerl

10 One Dir (*Central Cattle Breeding Farm*) Dhamrod (*Post temp likely to continue indef*) Pay—Rs 1100—50—1400 Age—45 yrs FO—Deg in Agril/Animal Husb/Dairying/Vet Sc Post-grad deg in Animal Genetics & 7 yrs exp of management of dairy Farms in respon capacity

11 One ST 1 (*Agril Dev*), D'te of Arecanut & Spices D'te (*Post temp likely to continue and made pmt eventually*) Pay—Rs 550—25—750—EB—30—900 (*Revised*) Age—35 yrs EQ—Deg in Agril 2 yrs exp of Agril res/Dev or extension work

12 One ST 4 (*Agril Dev*), D'te of Jute Dev (*Post temp*) (*Resvd for SC*) Pay—Rs 550—25—750—1 B—30—900 Age—40 yrs LQ—Deg in Agril 2 yrs exp of Agril Res/Dev or extension work

Posts 5 Nos 13 & 14 in the Health & F P Min

13 One Dy Controller of Transport (*Post temp likely to continue indef*) Pay—Rs 1100—50—1600 (*Revised*) Age—40 yrs EQ—Deg in Mech or Auto Engg 5 yrs exp in respon capacity in an auto workshop of repute connected both with maintenance, repair & purchase & admin exp in Road Transport Undertaking incl preparation of standard estimates & planning for efficiency

14 One Neuro Surg Safdarjang Hospital, New Delhi (*Post temp likely to continue indef*) Pay—Rs 600—40—1000—EB—50—1300 plus NPA @ 50% of pay subject to maximum of Rs 600/ p m Age—45 yrs EQ—A recog medical qualification Post-grad quals in Neuro Surgery & 3 yrs work in respon position connected with the speciality of Neuro-Surgery

Posts 5 Nos 15 to 19 in All India Instt of Hygiene & Public Health Calcutta

15 Three Demonstrators (Stat) (*Posts pmt apppt on temp basis*) (*One post resvd for SC*) Pay—Rs 550—25—750—FB—30—900 Age—30 yrs EQ—M A in Stat or Maths (with Stat) Or Deg with Stat or Maths & a recog post-grad dip in Stat awarded after 2 yrs trg

16 One AMO (*General Diseases*) (*Post pmt to be filled on temp basis*) (*Resvd for ST*) Pay—Rs 325—15—475—EB—20—575 plus NPA @ 25% of pay p m (Likely to be revised) Age—35 yrs EQ—A recog medical qualification

17 One AMO (*T.B.*) (*Post pmt to be filled on temp basis*) Pay—Rs 325—15—475—EB—20—575 plus NPA @ 25% of pay p m (Likely to be revised) Age—30 yrs FO—A recog medical qualification

18 Three Demonstrators (Medical) (*Microbiology*) (*Posts pmt to be filled on temp basis*) Pay—Rs 325—15—475—EB—20—575 plus NPA @ 25% of pay p m (Likely to be revised) Age—30 yrs EQ—A recog medical qualification Or M Sc in Microbiology with exp of Medical Microbiology/immunology

19 One Field Instructor (Medical) (*Post pmt to be filled on temp basis*) Pay—Rs 325—15—475—EB—20—575 plus NPA @ 25% of pay p m (Likely to be revised) Age—30 yrs FO—A recog medical qualification

## CORRIGENDA

I One Jt Dir (*Legal*), Deptt of Company Affairs Law Min (UPSC Advt No 28 item 2 published on 13-7-74) No of posts has since increased from one to two & EQ—(ii) amended for both posts as "12 yrs exp as an Attorney/Legal Practitioner pref in matters connected with It Stock Co or with 10 yrs exp of administering Company Law Legislation in Govt Deptt connected with Admn of Co Act, 1956" (Closing date extended to 4-11-74 (18-11-74 for candidates abroad)

II Four Botanists Botanical Surv of India (UPSC Advt No 30 item 13 published on 27-7-74) Exp amended as "Algae Fungi Bivalves/Pterodophytes, Angiosperms/Gymnosperms" Closing date extended to 4-11-74 (18-11-74 for candidates abroad)

III Two Civilian Asstt Security Officers R & D Orgn Def Min (UPSC Advt No 23 Corri I published on 8-6-74) No

of posts has increased from 2 to 3. The addl post unreserved. Closing date extended to 4-11-74 (18-11-74 for candidates abroad).

*Closing date for receipt of applications in Commission's Office : 4th Nov. 74 (18th Nov for candidates abroad, Andaman & Nicobar & Lakshadweep).*

"The above gives abridged information of posts etc. For details and application forms, write Secretary, UPSC, New Delhi-110011, with unstamped, self-addressed envelope (23 x 10 cm) giving name of post, item & Advt No

"Age on 1-1-74 (age concessions for displaced persons, SC, ST & Govt servants unless stated otherwise).

"Qualifications relaxable at Commission's discretion

"Higher initial pay may be given according to qualifications

\*Application Fee in Indian Postal Order for Rs. 8 (Rs. 2 for SC and ST); candidates abroad pay fee to Indian Embassy.

#### ABBREVIATIONS

SC—Scheduled Castes; ST—Scheduled Tribes

RESVD—Reserved EQ—Essential Qualifications

A. C. BANDYOPADHYAY, Secy.  
Union Public Service Commission

